आषाढ़ कृष्ण पक्ष -5, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 06 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

26 जून 2024 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

आज का मौसम

34 अधिकतम

26 न्यूनतम

जंग टली, सदन में दिखा सौजन्य, मगर विपक्ष ने इशारों-इशारों में कह दी बहुत सारी बात

लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव हुआ

अंततः हाइवोल्टेज ड्रामे का पटाक्षेप, ध्वनिमत से स्पीकर बने बिरला, नहीं आई वोटिंग की नौबत

नई दिल्ली, एजेंसी।

कल से चले आ रहे हाईवोल्टेज सियासी ड्रामे के बाद आज लोकसभा के नए अध्यक्ष के तौर पर ओम बिरला एक बार फिर चुन लिये गये। खास बात यह है कि उन्हें ध्वनिमत से स्पीकर चुना गया और मतदान की नौबत नहीं आई। कांग्रेस-इंडिया गठबंधन ने के.सुरेश के तौर पर अपना उममीदवार उतारकर इस चुनाव को सनसनीखेज बना दिया था। जबकि एनडीए-भाजपा ने फिर ओम बिरला पा दांव खेला था। वे तीन बार लोकसभा चुनाव जीते हैं जबकि विपक्ष ने केरल के मवेलीकारा से 8 बार सांसद चुनाव जीत चुके कोडिकुन्निल सुरेश को मैदान में उतारा था। ध्वनिमत से चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिरला को लोकसभा अध्यक्ष के आसन तक पहुंचाया और बधाई दीं।

पीएम मोदी ने बिरला के स्पीकर निर्वाचित होने के बाद कहा कि एक सांसद के रूप में बिरला की कार्यशैली सभी सांसदों के लिए सीखने योग्य है।क्योंकि आपने कई ऐसे अभियान शुरू किये हैं जो अनोखे हैं। आपने स्वस्थ शिशु, स्वस्थ मां अभियान शुरू किया है जो प्रेरक है. गांव-गांव में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की कोशिश, गरीबों को कंबल, कपड़े, छाता, जूते ऐसी अनेक सुविधाएं खोज-खोज कर पहुंचाते हैं. 17वीं लोकसभा संसदीय इतिहास का स्वर्णिम कालखंड रहा है. आपकी अध्यक्षता में जो निर्णय हुए हैं, सदन के जरिए जो सुधार हुए हैं, वो आपकी भी और सदन की भी विरासत है। जब भविष्य में विश्लेषण होंगे तब लिखा जाएगा कि बिरला की अध्यक्षता वाली 17वीं लोकसभा की बहुत बड़ी भूमिका रही है। मोदी ने भारतीय न्याय संहिता से लेकर मुस्लिम महिला विवाह संरक्षण विधेयक और नारी शक्ति वंदन विधेयक तक, 17वीं लोकसभा से पारित विधेयकों का जिक्र किया और कहा कि 17वीं लोकसभा ने भविष्य की बुनियाद रखी है। मोदी ने कहा कि संसद भवन चार दीवारें नहीं, 140 करोड़ देशवासियों की आशा का केंद्र है। 17वीं लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 25 साल के उच्चतम स्तर पर 97 फीसदी रही। कोरोनाकाल में सदन में 170 परसेंट प्रोडक्टिविटी, ये दुनिया के लिए बहुत बड़ी खबर है। आपने कठोर निर्णय भी लिए हैं, आपने सदन की गरिमा को पसंद किया और पीड़ा को स्वीकार किया।

मुद्दत बाद.... चुनाव के तीखे दौर के बाद आज लोकसभा में पीएम मोदी व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एकदूसरे का अभिवादन किया और हाथ मिलाया।

जब राहुल व मोदी नए स्पीकर बिरला को आसन तक ले जाने पहुंचे तो सदन ने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया।

सरकार के पास बहुमत, विपक्ष के पास जनता की आवाज: राहुल

इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन को संबोधित करते कहा कि आज सरकार के पास बहुमत है तो विपक्ष के पास देश की जनता की आवाज है। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि आप हमें हमारी आवाज उठाएंगे. विपक्ष की आवाज को खत्म करना संवैधानिक नहीं है. वहीं, राहूल ने यह भी कहा कि विपक्ष आपके काम करने में आपकी सहायता करना चाहेगा ताकि सदन अच्छी तरह काम करे। यह बहुत अहम है कि सहयोग विश्वास के आधार पर हो और विपक्ष की आवाज को प्रतिनिधित्व करने की अनुमति दी जाए। राहुल ने आगे कहा, 'हमें विश्वास है कि विपक्ष को बोलने की अनुमति देकर, हमें भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देकर, आप भारत के संविधान की रक्षा करने का अपना कर्तव्य निभाएंगे. मैं एक बार फिर आपको और सदन के सभी सदस्यों को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने चुनाव जीता है'। अखिलेश यादव ने स्पीकर ओम बिरला से मुखातिब होते हुए कहा कि जिस पद पर आप बैठे हैं, इससे बहुत गौरवशाली परंपराएं जुड़ी हुई हैं और हम सब यही मानते हैं बिना भेदभाव के सदन आगे आगे बढ़ेगा. आप लोकसभा अध्यक्ष के रूप में हर दल और सांसद को बराबरी का मौका और सम्मान देंगे।

विपक्ष के सांसदों ने दिलाई थोक निलंबन की याद

वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि निष्पक्षता इस पद की महान जिम्मेदारी है, आप लोकतांत्रिक न्याय के मुख्य न्यायाधीश की तरह बैठे हैं। आपसे अपेक्षा है कि किसी भी जनप्रतिनिधि की आवाज दबाई ना जाए और न ही निष्कासन जैसी कार्यवाही दोबाना सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाए। यादव ने बिरला से कहा कि आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता ही है लेकिन आपका अंकुश सत्ता पक्ष पर भी रहे। आपके इशारे पर सदन चले, इसका उल्टा ना हो। राकांपा सांसद सुप्रिया सुले ने कोविड काल में हर सांसद का खयाल रखने और उस दौर में हाउस चलाने के लिए स्पीकर ओम बिरला की तारीफ की मगर उन्होंने कहा कि जब हमारे 150 लोग सस्पेंड हुए, तब बहुत दुख हुआ। अब अगले पांच साल सस्पेंशन के बारे में न सोचें।

दो हजार पन्नों की रिपोर्ट व 80 पेज की एफआईआर सीबीआई को सौंपी

पटना/नई दिल्ली, एजेंसी।

नीट परीक्षा में गडबडी मामले में बिहार की आर्थिक अपराध इकाई ने सीबीआई की टीम को लगभग दो हजार पन्नों की रिपोर्ट, 80 पन्नों की एफआईआर, जले हुए पेपर, बरामद चेक समेत जरूरी सबूत सौंपे हैं। सीबीआई ने पेपर लीक के आरोपियों पर शिकंजा करना शुरू कर दिया है। सीबीआई ने जेल में बंद आरोपियों को रिमांड पर लेने की कोशिश में है। उसने पटना स्थित स्पेशल कोर्ट में एफआईआर की कॉपी सबमिट की थी, आज जेल में बंद आरोपियों को स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा और उन्हें रिमांड पर लेने की प्रक्रिया होगी। ज्ञात हो कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा हृश्वश्वञ्ज- त्त परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की व्यापक जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपे जाने के जांच में तेजी आई है। मंत्रालय ने कहा है कि परीक्षा के आयोजन के दौरान कुछ राज्यों में कुछ अलग-अलग घटनाएं हुई. इसलिए शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई से उम्मीदवारों, संस्थानों और बिचौलियों द्वारा साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी, अमानत में ख्यानात और सबूतों को नष्ट करने सहित कथित अनियमितताओं की पूरी साजिश की व्यापक जांच करने का अनुरोध किया है।

नीट मामला

यस बैंक में बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू

मुबंई। प्राइवेट सेक्टर के बड़े यस बैंक ने बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू की है। उसने एक साथ 500 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यही नहीं आने वाले दिनों में बैंक में और लोगों की छंटनी की भी संभावना है। बैंक की ओर से इस बड़ी छंटनी के पीछे कॉस्ट कटिंग के साथ ही तमाम अन्य कारण भी बताए गए हैं। जिन कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाया है, उन सभी कर्मचारियों को 3 महीने के वेतन के बराबर राशि दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि आने वाले महीनों में और छंटनी का अगला दौर देखने को मिल सकता है और बैंक की लिस्ट में कई नाम शामिल है। अब बैंक डिजिटल बैंकिंग पर फोकस के लिये मैन्युअल वर्क में कटौती करने का इरादा रखता है।

डिजिटल बैंकिंग का इरादा

अब अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में आज सीबीआई ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। केजरीवाल पहले से ही जेल में हैं और जमानत के प्रयास में हैं। अब केंद्रीय जांच एजेंसी उन्हें आज सुबह तिहाड़ जेल से लेकर राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंची थी, इस दौरान उनकी तबियत बिगड़ने की खबर है। बताया जाता है उनका ब्लड सुगर लेबल तेजी से गिर गया। अवकाशकालीन पीठ के न्यायाधीश अमिताभ रावत के समक्ष केजरीवाल को पेश किया गया। सीबीआई ने कोर्ट से उनकी कस्टडी की मांग की। केजरीवाल के वकील विक्रम चौधरी कोर्ट के सामने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश व कहा- केजरीवाल को दूसरे मामले में न्यायिक हिरासत में रहते हुए सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किया गया, कोई आदेश पारित हो गया है और हमें जानकारी नहीं है। यह गंभीर चिंता का विषय है और यह संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।

केजरीवाल की कोर्ट में तबीयत बिगडी, शुगर लेवल गिरा

बिहार में फिर पत्रकार की हत्या, चाकू से कई वार

मुजफ्फरपुर। देर रात बेखौफ अपराधियों ने एक पत्रकार की चाकुओं से गोद कर उनकी हत्या कर दी। यह घटना मारीपुर में उनके घर के पास ही हुई। पत्रकार की पहचान शिवशंकर झा के रूप में की गई है। परिजनों का कहना है कि देर रात शिवशंकर झा अपने घर की ओर लौट रहे थे, तभी अचानक अज्ञात अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और चाकु से हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी, पुलिस ने उन्हें अस्पताल तक पहुंचाया मगर डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

चीतों का नया घर देखने पहुंचे केन्या के एक्सपर्ट

मंदसौर। भारत सरकार की चीता पुनर्स्थापना योजना के अंतर्गत गांधीसागर अभयारण्य में चीते बसाने की तैयारी का जायजा लेने केन्या से आए छह सदस्यीय विशेषज्ञ दल ने गांधीसागर का निरीक्षण किया। विशेषज्ञों ने 6400 हेक्टेयर में बने बाडे, क्वारंटाइन बाड़ों, हाई मास्ट कैमरा, जलस्त्रोत मानीटरिंग के लिए बनाए गए स्थल और उपचार केंद्र सहित सभी तैयारियां देखीं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के दल ने भी अप्रैल में अभयारण्य का दौरा किया था। इसके बाद कुछ सुझाव वन विभाग को दिए गए। पहले दिन गांधीसागर एवं कुनो प्रबंधन ने केन्या दल के विशेषज्ञों की मौजूदगी में तैयारियों और कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता प्रोजेक्ट के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिया।

मेट्रो एंकर

मप्र में मानसून सक्रिय, कल भारी बारिश के आसार

मौसम का मूड... कहीं बाढ़ से हालात बिगड़े तो कहीं तेज गर्मी व लू के थपेड़े

नई दिल्ली, एजेंसी।

मानसून का दौर कई राज्यों में जारी है और कई राज्यों में आंशिक मौजूदगी दर्ज कर रहा है। मप्र में भी मानसून सक्रिय है लेकिन तेज दौर अभी बाकी है। इस बीच मौसम विभाग ने कल भोपाल में भारी बारिश का अनुमान जताया है। अगले तीन चार दिन तक आसपास के इलाकों में बारिश का दौर रह सकता है। उधर देश में पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ से हालात बेहद खराब हो गए हैं। असम में तो 1.75 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और वर्षाजनित घटनाओं में जानें जा चुकी है। वहीं, पहाड़ी राज्य जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग से लेकर उत्तर भारत के मैदानी राज्यों को अभी बारिश का इंतजार है। इन राज्यों में अभी और दो दिन लू चलने की संभावना है।

इधर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आसमान में हल्के बादल छा रहे हैं, लेकिन बूंदाबांदी के चलते उमसभरी गर्मी से हाल बेहाल है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह, पश्चिमी मध्य प्रदेश, दक्षिण उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, बिहार, पूर्वी राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, तमिलनाडु, केरल, तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कहीं भारी तो कहीं बहुत अधिक मूसलाधार वर्षा हो रही है। असम में ब्रह्मपुत्र समेत कई सहायक नदियां उफान पर हैं और राज्य के नौ जिलों में पौने दो लाख से अधिक लोग बाढ़ से जूझ रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में आगामी चार दिन बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। रेगिस्तान में पहुंचा मानसून, पहाडॅ को इंतजार मौसम विभाग के मुताबिक, कल दक्षिण पश्चिम मानसून उत्तरी अरब सागर, गुजरात राज्य और मध्यप्रदेश के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। यह दक्षिण पूर्व राजस्थान के कुछ भाग और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी भाग में प्रवेश कर गया है। इसके प्रभाव से राजस्थान के उदयपुर, कोटा, झालावाड़, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर, करौली समेत अन्य कई स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। 27-29 जून तक दक्षिण पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

आज का कार्टून

शहर में बढ़ रहे अवैध होर्डिंग से दुर्घटनाओं का खतरा

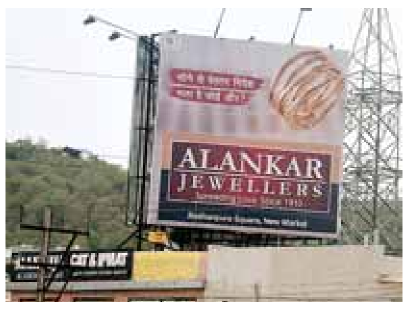

भोपाल। नगर निगम शहर में अवैध होर्डिंग, पोस्टर, बैनर को नहीं रोक पा रहा है। जिन्हें अनुमतियां दी गई हैं, वहां भी गड़बड़ी ही है। अवैध होर्डिंग को तो अभियान के तहत हटाया जा सकता है, लेकिन अनुमति के साथ नियम तोड़कर स्थापित होर्डिंग लंबे समय तक शहरवासियों के जीवन का खतरा बनते रहेंगे। सबसे अधिक परेशानी बारिश के मौसम में होती है। आंधी तूफान की वजह से होर्डिंग गिरने से दुर्घटनाएं होना आम हो जाता है। इसके बावजूद नगर निगम खतरों की अनदेखी कर रहा है। फोटो-गोल्डी रॉक

राजधानी में प्रणति समारोह की शुरूआत

एकला चलो रे..सरोद पर तबले की जुगलबंदी ने समां बांधा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संस्कृति विभाग तथा संगीत नाटक अकादमी के पांच दिवसीय प्रणति समारोह में गायन, वादन एवं नृत्य ने समां बांध दिया। समारोह की शुरुआत सरोद वादक अमान अली-अयान अली बंगश ने की। उन्होंने प्रस्तुति की शुरुआत में लोक धुन एकला चलो रे... को सरोद पर छेड़ा। तबले पर सत्यजीत तलवलकर की संगत के साथ सरोद के तारों से निकली धुन ने सभागार में जादू सा कर दिया। इसके बाद उन्होंने राग देश को प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने झपताल और तीन ताल में रचनाएं प्रस्तुत की। साथ ही अपने पिता उस्ताद अमजद अली खां एवं दादा उस्ताद हाफिज अली की रचनाएं पेश की। अद्भुत तालमेल और तबले की थाप के साथ इस राग का अनुराग सुधिजनों की आत्मा तक पहुंचा।

इससे पहले समारोह की शुरूआत राज्यमंत्री संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने की। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी की चेयरपर्सन संध्या पुरेचा एवं संचालक संस्कृति एनपी नामदेव विशेष रूप से मौजूद रहे। लोधी ने कहा कि गायन, वादन एवं नृत्य का यह अनूठा ताना-बाना भारतीय सांस्कृतिक विरासत का दर्पण है। मप्र की धरती पर प्राचीन काल से ही संगीत के रंग बिखरे हैं। संध्या पुरेचा ने कहा कि संस्कृति आस है, इसके बिना सर्वनाश है, इसलिए हमें अपनी संस्कृति को जानना और पहचानना चाहिये।

'संगीत का मक्का है मप्र'

सितार वादक निलाद्रि कुमार की सितार वादन की सभा सजी। उन्होंने प्रस्तुति से पहले कहा कि मप्र संगीत का मक्का है और यहां प्रस्तुति देना बहुत विशिष्ट अनुभव है। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के लिए राग तिलक कामोद का चयन किया। तबले पर सत्यजीत तलवलकर की संगत के साथ उन्होंने सितार के तारों से जो तिलिस्म किया, उसे संगीत प्रेमी झूमते नजर आए।

आज मालिनी अवस्थी का गायन

'प्रणति' में आज सुप्रसिद्ध लोकगायिका मालिनी अवस्थी का गायन होगा। इसके बाद पद्मभूषण विश्वमोहन भट्ट एवं सलिल भट्ट की मोहन वीणा-सात्विक वीणा वादन की सभा सजेगी। अंत में शुभदा वराडकर का ओडिसी नृत्य होगा। कार्यक्रम शाम साढ़े छह बजे से शुरू होगा।

राग मियां मल्हार सुनाया

समारोह में सरोद वादन के बाद गायक विनायक तोरवी ने प्रस्तुति दी। उन्होंने राग मियां मल्हार का चयन करते प्रस्तुति की शुरुआत की। इसमें उन्होंने करीम नाम तेरी.... विलंबित एकताल में, अता धूमरे.... द्रुत एकताल एवं महमद शारंगी... द्रुत एकताल में प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने राग बसंत में पगवा ब्रज देखना.... द्रुत एकताल में और एक तराना द्रुत तीन ताल में प्रस्तुत किया। उनके साथ हारमोनियम पर निरन्जना हेगडे, रूपक काल्लूरकर एवं तानपुरे पर सिद्धार्थ बेलामन्नू और अंकित गजरे ने संगत दी।

संपत्तिकर की मार से बचे राजधानी के करदाता, ननि ने छोड़ा इरादा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में संपत्ति कर बढ़ाने के इरादे से फिलहाल नगर निगम पीछे हट गया है। जबकि इसके लिये करीब एक महीने से मशक्कत चल रही थी। इसके लियरे रोज बैठकों में मंथन हो रहा था। नेता और अफसर इस मसले पर लगातार चर्चा कर रहे थे। आखिरीकार इस मसले पर अंतिम सहमति नहीं बन सकी। मेयर इन काउंसिल की देर शाम आइएसबीटी में हुई बैठक में सभी एमआइसी मेंबर ने मिलकर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि संपत्ति कर नहीं बढाया जाएगा। माना जा रहा है कि हालिया चुनाव के बाद संपत्तिकर बढाने के फैसले को उचित नहीं माना गया है। दरअसल आलम यह है कि जो लोग संपत्तिकर दे रहे हैं,उन पर लगातार बोझ बढ रहा है जबकि बड़ी तादात में ऐसे लोग हैं जो संपत्तिकर अदा नहीं कर रहे हैं। इसीलिये बैठक में एमआइसी मेंबर ने नगर निगम के वार्ड प्रभारी और जोनल अधिकारियों को बदलने की मांग की है। इससे यह भी जाहिर हो रहा है कि बरसों से जमे वार्ड प्रभारी और जोनल अधिकारियों की मिलीभगत के कारण नगर निगम की राजस्व नहीं बढ़ पा रहा है। यही वजह है कि एमआइसी मेंबर ने इनको बदलने की मांग की है। सबसे खास बात यह है कि पुराने हो चुके वार्ड प्रभारियों और जोनल अधिकारियों को बदले जाने की मांग की गई है, क्योंकि इनकी मिलीभगत के कारण नए संपत्तिकर के खाते नहीं खुल पा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि निगम की माली हालत बेहतर नहीं है,इसके चलते कई विकास कार्य भी अटक रहे हैं। दरअसल राजस्व वसूली के मामले में निगम फिसड्डी साबित हो रहा है। कई तरह के करों की वसूली अटकती रही है। इसमें सिर्फ प्रशासनिक विफलता ही नहीं बल्कि कई बार राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते भी वसूली अटक जाती है।

जनपरिषद का वार्षिक समारोह 30 को

भोपाल । अग्रणी संस्था जनपरिषद के 35 वा वार्षिक समारोह सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर ऋषि शुक्ला, वरिष्ठ रंगकर्मी एवं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राजीव वर्मा , पूर्व डीजीपी डी पी खन्ना, पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी, पूर्व डीजीपी महान भारत सागर , पूर्व आईएएस अजातशत्रु श्रीवास्तव, एस के मिश्रा, मनीष श्रीवास्तव, मिस यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी आशिता कोचर, प्रगति सेठ एवं मिसेज वर्ल्ड वाइड भूमिका सिंह की विशिष्ट उपस्थिति में , आगामी 30 जून को , शाम चार बजे , स्टेट म्यूजियम श्यामला हिल्स,में आयोजित किया गया है।

'चालीसा का पाठ करने से अंदर छुपी हुई शक्तियां जाग्रत होती है'

संस्कार में हनुमान चालीसा का पाठ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रार्थना के समय संगीतमय हनुमान चालीसा के पाठ का प्रारंभ किया था। इसी कड़ी में मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय चालीसा का पाठ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सबधानी कोचिंग इन्स्टीट्यूट के संचालक आनन्द सबधानी, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी ने एक हजार बच्चों के साथ हुनमान चालीसा का पाठ किया।

बसंत चेलानी ने बताया कि विद्यालय में चालीसा पाठ को लगभग एक वर्ष से अधिक समय हो चुका है, अब हमें हनुमान चालीसा के पाठ के साथ-साथ उसके अर्थ को भी समझना चाहिए।

सबधानी ने कहा कि संस्कार स्कूल केवल नाम का संस्कार स्कूल नहीं है बल्कि नाम के अनुरूप कार्य भी कर रहा है, शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी दिये जा रहे है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी, प्राधानाचार्या मृदुला गौतम, एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित होकर बच्चों के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया।

माता-पिता की सेवा छोड़कर कथा में आना पड़े तो मत आओ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

माता-पिता की सेवा छोड़कर कथा में आना पड़े तो कथा में मत आओ माता-पिता की सेवा करो। कथा से हजार गुना फल मिलेगा। मुकेश जी महाराज महा मृत्युंजय शिव महापुराण कथा के द्वितीय दिवस पर कथा वाचक मुकेश जी महाराज ने अपने प्रवचनों में कहा कि भक्ति में लीन मानव को यश मान सम्मान और प्रतिष्ठा अपने आप मिलती है।

मुकेशजी ने कहा कि प्रभु की भक्ति में लीन इंसान को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है लेकिन उन्हें घबराना नहीं चाहिए संसार में बुराई करने वाले लोगों से कभी घबराइये मत हनुमानजी की पूछ में भी आग विरोधियों ने लगाई थी, परंतु उसी पूंछ ने लंका में आग लगाई थी। आग लगने पर हनुमान जी की पूंछ छोटी नहीं बल्कि और बड़ी हो गई इस तरह दर्जनों द्वारा विरोध करने पर भगवान के भक्तों और सज्जनों का मान सम्मान कभी घटता नहीं बढ़ता ही है मुकेश महराज जी ने आगे कहा कि अपने करिए, परंतु किसी दूसरे के गुरु और धर्म की आलोचना ना करें सबका सम्मान करिए और साथ ही उन्होंने प्रवचनों में यह भी कहा की माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई भी चीज नहीं है इसीलिए सबसे पहले माता-पिता की सेवा और उसके उपरांत सब कर्म धर्म है अपने माता-पिता की सेवा के कारण कथा का त्याग भी करना पड़े तो कथा भी त्याईगए अपने माता-पिता की सेवा से कथा से भी बहुत बड़ा पुण्य मिलता है।

गुरु की महिमा का खूब गुणगान

कथा में हीरो हिंदू अध्यक्ष भोले का दरबार अध्यक्ष हीरो फैंस क्लब, नानक दादलानी, शिवांश शर्मा, शेरुरीझ वानी, प्रकाश मीणा, ओम आसनानी, हीरा वतानी महेश खटवानी, महेश गुरबाणी व भोले के दरबार के सेवक और श्रद्धालुओं ने उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ व अहंकार में आपातकाल थोपा: कुकरेजा

आपातकाल को याद करते हुए काले गुब्बारे छोड़े

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस द्वारा बर्बरतापूर्वक आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष होने के अवसर पर गुरुनानक मंडल द्वारा आपातकाल के योद्धाओं मीसाबंदियों का शाल श्रीफल एवं भारत माता का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर काले कपड़े पर काला दिवस लिख एवं काली पट्टी बांध कर हवा में काले गुब्बारे छोड़ कर काले दिवस का विरोध किया गया। मीसाबंदियों ने आपातकाल के दौर का स्मरण करते हुए बताया कि किस प्रकार कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ व अहंकार में देश पर आपातकाल थोपकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को हत्या कर दी गई।

कार्यक्रम में मीसाबंदी बिहारी लाल लोकवानी, गोविन्द डांडवानी, दिलीप शर्मा, दौलत भरानी, रामजीवन दुबे, मांगीलाल बाजपाई, गुरमुखदास लखमानी सहित 11 मिसाबंदी उपस्थित थे। मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा आज ही के दिन 1975 में एक परिवार ने अपने हाथ से सत्ता निकलने के डर से जनता के अधिकारों को छीन व लोकतंत्र की हत्या कर देश पर आपातकाल थोपा था।अपने सत्ता-स्वार्थ के लिए लगाया गया आपातकाल, कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता का प्रतीक और कभी न मिटने वाला कलंक है। उस कठिन समय में अनेक यातनाएँ सहकर लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए लाखों लोगों ने संघर्ष किया। मैं उन सभी देशभक्तों को दिल से नमन करता हूँ।

इस अवसर पर देवेंद्र भार्गव ने सभी देश भक्त मिसाबंदियों का धन्यवाद ज्ञापित किया, इस अवसर पर भगवानदास ढालिया,विष्णु राजपूत, राजा शर्मा, शारदाप्रसाद बम्मान, सुनील सराठे,मुकेश सोलंकी,अतुल घेघट,संदीप कल्याणे,मनीष मकोरिया,कैलाश हिरवे, राजकुमारी डागोर, संजय सेन, गोरधन अहिरवार, गोलू राय, जितेन्द्र ठकुरिया, निक्की ठाकुर, चंदू यादव, विनोद सलामे, विवेक तिवारी,नरेंद्र शुक्ला सहित युवा साथी उपस्थित थे।

भाजपा संतनगर ने किया मीसा सेनानियों का सम्मान

भाजपा संतनगर मंडल अध्यक्ष कमल विधानी के नेतृत्व में लोकतंत्र स्वतंत्रता सेनानी नरेश वासवानी एवं करनाल परवानी के घर पर जाकर शाल, श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर सुमित आहूजा, उमेश नागर, शंकर मेघानी, शाहिद खान, गुड्डू मेहरा, बृजेश उठावले, निलेश हिंगोरानी, विशाल साधवानी, सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा कार्य : बच्चों को भोजन करवाया

हिरदाराम नगर। परमेश्वरी देवी खटवानी की पुण्य तिथि पर आंगनवाड़ी बच्चों का भोजन कराया गया। पूर्व पार्षद भारती खटवानी एवं भाजपा नेता महेश खटवानी ने परिवार के साथ सेवा कार्य किए।

माशिमं: 9वीं में नामांकन 10 जुलाई से, विलंब पर 12 हजार का 'फाइन'

10वीं और 12वीं परीक्षा के फॉर्म एक जुलाई से 30 सितंबर तक भरे जा सकेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल के स्कूलों में शामिल होने वाले विद्यार्थियों का नौवीं कक्षा में नामांकन 10 जुलाई से 30 सितंबर तक हो सकेगा। 30 सितंबर के बाद 300 रुपये विलंब शुल्क लगेगा। 10वीं व 12वीं परीक्षा के फॉर्म एक जुलाई से 30 सितंबर तक भरे जा सकेंगे। 25 नवंबर के बाद फार्म भरने पर 10 हजार रुपये विलंब शुल्क लिया जाएगा। जबकि 11 दिसंबर से 12 हजार विलंब शुल्क लगेगा। अन्य बोर्ड के विद्यार्थियों को ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड करने होंगे। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रवेश नीति 2024-25 जारी की है। नीति में कहा गया है कि संस्था प्राचार्य का यह दायित्व होगा कि प्रवेश देते समय ही छात्र के सभी दस्तावेज की जांच पूर्ण रूप से कर लें। इस संबंध में घोषणा पत्र भी जमा करना होगा। वहीं, विद्यार्थी ने जो विषय नौवीं व 11वीं में भरे हैं, वही 10वीं व 12वीं के आवेदन में भर सकेंगे। साथ ही अन्य बोर्ड से आए छात्रों के प्रकरणों में भी दस्तावेजों की जांच पूर्ण रूप से जांच की जाए।उनके द्वारा जो स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं अन्य शैक्षणिक दस्तावेज प्रवेश के लिए जारी हों, वह 31 जुलाई के पूर्व की तिथि का जारी होना आवश्यक है। मंडल द्वारा यदि जांच के दौरान यह पाया जाता है कि प्राचार्य द्वारा ग्राह्यता संबंधी कार्रवाई नहीं की गई है तो ऐसी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की गई। इसमें सत्र 2024-25 से नौवीं से बेस्ट आफ फाइव योजना समाप्त की जा रही है। वहीं 10वीं में सत्र 2025-26 से समाप्त कर दी जाएगी।इसके साथ ही 10वीं में गणित के दो विकल्प बेसिक व स्टैंडर्ड का होगा। प्रवेश में नीति में साफ कहा गया है कि प्रवेश पत्र जारी होने के बाद परीक्षा केंद्र पर प्रवेश पत्र में अंकित विषयों में किसी भी प्रकार का संशोधन मान्य नहीं होगा।

छह महीने के भीतर 265 प्रयोगशालाएं पीपीपी मोड पर देने का मामला

युवाओं को पक्का रोजगार देने की बजाए सरकारी प्रयोगशाला ही पीपीपी मोड पर दे दीं!

प्रयोगशालाओं में मिट्टी की होगी जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की जिन 265 प्रयोगशालाओं को सरकार ने पीपीपी मोड पर देने का निर्णय लिया है, उनमें काम करने के लिए कर्मचारी और विशेषज्ञ नहीं थे। जिनकी भर्ती की जानी थी यदि ये भर्ती होती तो युवाओं को पक्का रोजगार मिलता। अब इन प्रयोगशालाओं को युवा उद्यमी और संस्थाएं चलाएंगी, जिनमें काम करने वाले युवाओं को नाममात्र का मानदेय मिलेगा, जो एक स्वस्थ्य परिवार के निर्माण की जरुरतों को किसी भी हालत में पूरा नहीं कर सकेगा। यह आशंका विशेषज्ञ जता रहे हैं और युवाओं की भी यही चिंता है।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने मंगलवार को कैबिनेट में निर्णय लिया है कि प्रदेश की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओंको युवा, उद्यमी और संस्थाओं को दिया जाएगा। ये वही प्रयोगशालाएं हैं जो विकासखंडों में बनकर लगभग तैयार है। इनकी संख्या 265 है, इसके अलावा 51 प्रयोगशालाएं चालू हालत में है जो मुख्यतः जिला स्तर पर संचालित की जा रही हैं।

सरकार का दावा है कि प्रदेश सरकार के सभी विकासखंडों में प्रयोगशालाएं चालू कराएंगे, ताकि किसानों को स्वाइल हेल्थ कार्ड जारी करने में आसानी हो। इन प्रयोगशालाओं के संचालन में पहली प्राथमिकता कृषि पाठ्यक्रमों से पासआउट युवाओं को दी जाएगी। ये खेतों की मिट्टी का स्वास्थ्य जाचेंगे और किसानों को स्वाइल हेल्थ कार्ड जारी करेंगे। इस काम में जो खर्च आएगा उसका भुगतान सरकार पीपीपी मॉडल पर करेगी। इस प्रक्रिया में करीब 6 से 8 महीने लगेंगे।

शिवराज से मिले सीएम तो बनी बात

समर्थन मूल्य पर होगी कोदो–कुटकी की खरीदी

छिंदवाड़ा की भारिया जनजातीय को पीएम जनमन योजना में किया जाएगा शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुलाकात की। इसके कुछ ही घंटे में कोदो–कुटकी की समर्थन मूल्य पर खरीदी पर निर्णय हो गया। अब कोदो–कुटकी बेचने पर प्रति क्विंटल 4290 रुपये मिलेंगे। अब तक इन फसलों का कोई समर्थ मूल्य नहीं था। यह मप्र के आदिवासी किसानों की मुख्य फसल में से एक है। यह श्रीअन्न अर्थात मोटे में भी शामिल है जिसे मुख्य रूप से मप्र के आदिवासी उगाते हैं। मुख्यमत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को कैबिनेट खत्म होने के बाद दिल्ली पहुंचे थे। सबसे पहले उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान में शामिल होने का न्यौता दिया। फिर वे केंद्रीय कृषि मंत्री मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले। उनके सामने कोदो-कुटकी को समर्थन मूल्य की सूची में शामिल कराने सुझाव रखा। जिस पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने कृषि मंत्रालय के अधिकारियों की बैठक बुलाई, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। इसमें मुख्यमंत्री ने कोदो-कुटकी को समर्थन मूल्य में शामिल करने, छिंदवाड़ा जिले में निवास करने वाली भारिया जाति को पीएम जनमन योजना में शामिल करने, कृषि से जुड़ी योजनाओं में मप्र का लक्ष्य बढ़ाने जैसे सुझाव रखे। केंद्रीय कृषि मंत्री ने इनमें से कोदो-कुटकी को एमएसपी की सूची में शामिल करने पर तुरंत निर्णय लिया।

मंत्रियों के बंगलों की सजावट पर अंकुश लगाए मप्र सरकार

कांग्रेस ने कहा कि गरीब जनता से किए वादे पूरे करें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मप्र सरकार के मंत्रियों द्वारा अब खुद ही टैक्स भरने के निर्णय पर कहा है कि अब तक तो मंत्रियों के भत्ते सहित अन्य टैक्स सरकार भरती थी, बेहतर तो यह होगा कि मप्र सरकार हवाई जहाज खरीदी, शासकीय बंगलों की सजावट, लग्जरी गा?ियों की खरीदी पर फिजूलखर्ची पर रोक लगाये। चुनाव के समय महिलाओं को 3000 रूपये महीने, 450 रूपये में गैस सिलेण्डर, किसानों को गेहूं और धान के 2700 और 3100 रूपये समर्थन मूल्य देने के जो वादे किये थे उन वादों को पूरा करे। पटवारी ने कहा कि सरकार मंत्रियों और विधायकों द्वारा कमाई गई अकूत संपत्ति में से एक नंबर की कमाई का हिसाब तो ले सकती है लेकिन 50 प्रतिशत कमीशन के रूप में बदनाम रही सरकार मंत्रियों और विधायकों द्वारा की गई काली कमाई और व्यापक स्तर पर हुये भ्रष्टाचार का हिसाब कैसे लेगी?

कैबिनेट के फैसलों का स्वागत किया सुमेर ने

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश सरकार के मंत्रियों के आयकर को सरकार द्वारा वहन न कर मंत्रियों द्वारा स्वयं वहन करने और कृषि स्नातकों को हर विकासखंड और कृषि संस्थानों में मिट्टी परीक्षण करने के लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है।. सोलंकी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रियों के आयकर जमा करने के करीब 52 वर्ष पुराने नियम को बदलकर प्रदेश की प्रगति की दृष्टि से दूरगामी निर्णय लिया है। सोलंकी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार गरीबों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है।

आपातकाल बरसी पर भाजपा की संगोष्ठी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने आपातकाल की बरसी पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा ''आपातकाल–लोकतंत्र का काला दिन'' विषय पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि लोकतांत्रिक इतिहास में महापाप करने का दुस्साहस अगर किसी ने किया था तो वह कांग्रेस ने किया था। वर्ष 1975 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू करके संविधान का गला घोंटने के साथ लोकतंत्र को कलंकित करने का कार्य किया था। वहीं भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र को रौंदने वाली कांग्रेस पार्टी के पाप को देश कभी नहीं भूल सकता है।

7 जुलाई से इग्नू की परीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) की जून टर्म की परीक्षा 7 जुलाई से शुरू होगी,जो 15 जुलाई तक चलेगी। परीक्षा के लिए 16 कॉलेजों और 6 यूनिवर्सिटी में सेंटर बनाए गए हैं। इन परीक्षाओं में पर्यवेक्षक अकादमिक व्यक्ति को ही बनाया जाएगा। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार और प्राचार्यों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। इसके तहत इन परीक्षा केंद्रों में करीब 350 पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय में सबसे ज्यादा परीक्षार्थी शामिल होंगे।

भाजपा को घोटाला अवार्ड सौंपेगी मप्र युंका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्र और मप्र की भाजपा सरकार में नीट, नर्सिंग, व्यापमं, पटवारी, डीमेट जैसे अनेक महाघोटाले का आरोप लगाते हुए युवा कांग्रेस ने संसद के समक्ष प्रदर्शन का ऐलान किया है। प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि छात्र का भविष्य अंधकारमय हैं सरकार की शिक्षा नीति शिक्षा माफियाओं की कठपुतली बनी हुई है। लिहाजा भाजपा को 'घोटाला कर्मठ अवार्ड' से सम्मानित करने का फैसला किया है। 27 जून को मप्र युवा कांग्रेस के नेतृत्व में प्रदेश भर के हजारों युवा दिल्ली पहुंचकर केंद्र सरकार की शिक्षा नीतियों और शिक्षा माफियाओं के विरोध में प्रदर्शन कर संसद भवन का घेराव करेंगे और घोटाला कर्मठ अवार्ड भाजपा मुख्यालय को सौंपेंगे।

वीडी ने केंद्र से मांगा सैनिक स्कूल और अच्छी सड़कें

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की

भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने केंद्र से प्रदेश के लिए सैनिक स्कूल और लोगों के लिए अच्छी सड़कों की मांग की है। वह इसके लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने मंगलवार दिल्ली में थे जहां वे केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन्होंने रक्षामंत्री से कहा कि खजुराहों में सैनिक स्कूल खोलने की मांग रखी। उन्होंने रक्षा मंत्री को बताया कि मप्र में एक मात्र सैनिक स्कूल रीवा में है। खजुराहो में सैनिक स्कूल खोले जाने से प्रदेश के छात्रों को अतिरिक्त अवसर मिलेंगे। अभी खजुराहो विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल है और रेल तथा हवाई मार्ग से जुड़ा हुआ है। विमान एवं हेलीकॉप्टर पायलट प्रशिक्षण केंद्र भी है। सैनिक स्कूल खोले जाने से खजुराहो पर्यटन के अलावा शैक्षणिक केंद्र तथा कॅरियर हब के रूप में विकसित होगा। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से अजयगढ़ से जबलपुर मार्ग (राजमार्ग क्रमांक–55) के राष्ट्रीय राजमार्ग में उन्नयन एवं खजुराहो से कांलीजर–प्रयागराज मार्ग के निर्माण की बात रखी।

मेट्रो एंकर | विवि-कॉलेजों में शुरू होंगे विमानन संबंधित पाठ्यक्रम

अब 55 पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में बीबीए टूरिज्म, होटल मैनेजमेंट कोर्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए काम की खबर हैं। अब उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विमानन संबंधित विविध रोजगारपरक नवीन संकाय एवं पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे। इसके अनुसार देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर और विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में (पूर्व में सीपीएल से संचालित संस्थान से अनुबंध के उपरांत) 4 वर्षीय बीएससी (एविएशन एवं सीपीएल) डिग्री कोर्स संचालित होगा।

प्रदेश के समस्त 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में बीबीए टूरिज्म एवं होटल मैनेजमेंट डिग्री कोर्स शुरू किए जाने हैं, जिनमें से अभी 10 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में 4 वर्षीय बीबीए टूरिज्म एवं होटल मैनेजमेंट डिग्री कोर्स आरंभ होगा, जहां पर वर्तमान में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पूर्व से संचालित आईएचएम-फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट-एयरपोर्ट-निजी एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित होटल एवं टूरिज्म की अधिक संभावनाओं वाले जिलों में महाविद्यालय स्थित हैं। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में 4 वर्षीय बीएससी (एविएशन) कोर्स संचालित होगा। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में 4 वर्षीय बीबीए (एविएशन मैनेजमेंट) कोर्स शुरू होगा। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में 1 वर्ष और 6 माह (प्रायोगिक) समयावधि के एविएशन सिक्योरिटी और एयरपोर्ट ऑपरेशंस कोर्सेज संचालित होंगे।

यहां मिलेंगे विमानन संबंधित पाठ्यक्रमः बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर और प्रदेश के 10 महाविद्यालयों में 3 माह के एयरपोर्ट वेयर हाउस कोऑर्डिनेटर, एयरपोर्ट सेफ्टी क्रू, एयरपोर्ट फ्लाइट लोड कॉर्डिनेटर, एयरलाइन रिजर्वेशन एजेंट और एयरलाइन कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव कोर्स संचालित होंगे, साथ ही 4 माह के एयरलाइन कैबिन क्रू और फ्लाइट डिस्पैचर कोर्स भी शुरू किए जायेंगे। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर और विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में 7 दिवस का ड्रोन पायलट सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होगा। उक्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 25 विद्यार्थियों के लिए यह डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्स संचालित होंगे। 10 चिन्हित महाविद्यालयों (जहां एयर स्ट्रिप स्थित है), में हर महाविद्यालय में एविएशन सेक्टर काउंसिल के एनएसडीसी सर्टिफिकेट के एक-एक कोर्स में अधिकतम 20 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

संपादकीय

संसद की जिम्मेदारी

लोकसभा चुनाव के बाद देश संसद से जनता को बहुत उम्मीदें हैं,क्योंकि चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवारों और उनके दलों ने खूब वादे किये थे। अब इन्हें पूरा करने की घड़ी है। अभी तो सांसद की शपथ का दौर चल रहा है और आज लोकसभा के नये अध्यक्ष का चुनाव भी हो रहा है,ऐसे में उम्मीद है कि कल से संसद कामकाज पर लौटेगी। हालांकि आज नए लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के बाद गुरुवार को राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। इसके बाद तीन जुलाई तक चलने वाले इस सत्र में फिलहाल परीक्षा में नकल के रोग, धांधली और सुर्खियों में आए कई जरूरी मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव के आसार बन रहे हैं। जाहिर है, संसद में जनता से जुड़े मुद्दों पर बातचीत या बहस एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को ही आगे बढ़ाएगी, मगर साथ ही यह अपेक्षा होगी कि ऐसी बहसें किसी ऐसे बेमानी टकराव का रुख न अख्तियार करे, जिसमें मुख्य सवाल शोर में गुम हो जाएं और समस्याओं का कोई ठोस हल न निकले। पिछली लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव जिस स्तर तक चला, उसमें ऐसे अवसर कम आए, जिसमें जनहित के मुद्दों पर सार्थक बहस हो और किसी मसले पर सामने आए हल में सबकी भागीदारी दिखे। ऐसी शिकायतें कई बार उभरीं जिसमें असहमति के स्वर तीखे होने के बाद विपक्ष ने सदन का बहिर्गमन किया और कई मुद्दों और विधेयकों पर पर्याप्त बहस नहीं हो सकी। इस बार संख्या बल की कसौटी पर विपक्ष बेहतर स्थिति में है और दोनों पक्षों का जिस तरह का ढांचा ख?ा हुआ है, उसमें स्वाभाविक ही पिछली लोकसभा के मुकाबले ज्यादा संतुलन दिखने की संभावना है। मगर जरूरी यह है कि किसी मुद्दे पर असहमति ऐसे टकराव में न तब्दील हो जिसमें उससे जुड़े अलग-अलग पहलू पर चर्चा न हो सके। यह छिपा नहीं है कि किसी सदन में जिन मसलों पर सदस्यों के बीच व्यापक बहस की जरूरत होती है, वह कई बार इसलिए संभव नहीं हो पाती है कि हंगामे के नतीजे में सदन को बार-बार स्थगित किया जाता है। सवाल है कि जनता ने जिन्हें अपना प्रतिनिधि चुन कर संसद में भेजा है, अगर वे वहां किसी भी वजह से जनहित के मुद्दों पर बात नहीं कर पाते हैं तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है। लोकतंत्र का बुनियादी मूल्य यही है कि विधायिका जनता का प्रतिनिधित्व करती है और वहां उसके व्यापक हित में ही काम होना चाहिए। यह तभी संभव है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष संसद में अपनी-अपनी जवाबदेही को गंभीरता से लें। महज असहमति की वजह से एक-दूसरे को खारिज करके देश के आम लोगों का भला नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से राष्टीय स्तर पर कोई समस्या खड़ी होती है, तो उसका हल निकालना सरकार की जिम्मेदारी है। मगर सदन अगर हंगामे का अखाड़ा बन जाता है तो इससे सिर्फ सदन के समय और उस पर होने वाले खर्च की बर्बादी ही होगी। हंगामे और इसकी वजह से सत्र स्थगित किए जाने से न जाने कितने कार्य दिवसों का नुकसान होता है और जनहित के कितने स्वर दब कर रह जाते हैं। इस बार दोनों पक्षों को इस बात का भी भलीभांति भान रहेगा कि जनता ने इस बार किसी भी दल को पूरा नंबर नहीं दिये हैं,यानि दलीय स्तर पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही बहुमत के आंकड़े से दूर हैं, उनके गठबंधन भी बहुमत के आंकडे के आसपास ही हैं। यानि जनता दोनों पक्षों के कामकाज भी बारीकी से परखेगी।

पेपर लीक संकट: परीक्षातंत्र की सर्जरी से ही नासूर का इलाज

■ लोकमित्र गौतम

मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश की अखिल भारतीय परीक्षा नीट यूजी-2024 में पेपर लीक सहित कई दूसरी अनियमितताओं के संबंध में पिछले एक पखवा? में सुप्रीम कोर्ट कई बार सुनवाई कर चुका है, लेकिन अभी भी उम्मीदवारों का अखिल भारतीय प्रदर्शन थमा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इतर विभिन्न प्रदेशों के हाईकोर्ट्स में भी इस संबंध में अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में प्रवेश परीक्षाओं और विशेषकर सरकारी नौकरियों में चयन के लिए होने वाली परीक्षाओं में किस स्तर तक धांधली बढ़ चुकी है। चिंताजनक बात यह है कि यह स्थिति तब है, जबकि देश के आठ राज्यों में पेपर लीक और परीक्षाओं में होने वाली धांधलियों से निपटने के लिए कठोर कानून हैं। जल्द ही केंद्र सरकार का भी इस संबंध में एक केंद्रीय कानून आने वाला है, क्योंकि इस कानून का बिल लोकसभा में पहले ही पारित हो चुका है।

पिछले सात वर्षों में 15 राज्यों की 45 सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। अगर इनमें अकादमिक परीक्षाओं के लीक हुए पेपरों को भी जोड़ दें तो इनकी संख्या बड़कर 70 हो जाती है। हाल में आयी एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले सात सालों में 1.5 करोड़ से अधिक छात्र पेपर लीक के कारण प्रभावित हुए हैं। पेपर लीक के इस अपराध के कारण या तो इन छात्रों का करिअर बर्बाद हो चुका है या इनके करिअर का सुखद अवसर हाथ से निकल चुका है। देश के 8 राज्यों में पेपर लीक से लेकर नकल तक को रोकने के लिए कई तरह के कड़े कानून हैं और ये पिछले कई सालों से मौजूद हैं। मसलन महाराष्ट्र में 1982 से नकल विरोधी कानून लागू है, उड़ीसा में 1998 से, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 1997 से, झारखंड में 2001 से, छत्तीसगढ़ में 2008 से, उत्तर प्रदेश में 2017 से और राजस्थान में जुलाई, 2023 से, नकल विरोधी और पेपर लीक जैसी समस्या से सख्ती से निपटने के लिए बेहद सख्त कानून मौजूद हैं। लेकिन पेपर लीक होने की कोई कमी ही नहीं आ रही। हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि उत्तर प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए जल्द ही एक कठोर कानून लाया जायेगा, जिससे कि किसी भी कीमत पर युवाओं के भविष्य के साथ किसी किस्म का खिलवाड़ न हो सके।

यूपी में नकल को रोकने और पेपर लीक जैसी समस्या से निपटने के लिए कानून के मौजूद होने के बावजूद पिछले सात सालों में सरकारी नौकरियों में भर्ती के आठ महत्वपूर्ण पेपर लीक हुए हैं। जिसमें यूपी एसआई भर्ती परीक्षा-2017, यूपी एसएसएससी परीक्षा-2018, यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2024, इन तीन परीक्षाओं में ही करीब 42 लाख परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों की जिंदगी से खिलवाड़ हुआ। जबकि इन तीनों परीक्षाओं में लगभग 80 हजार नौकरियों के पद थे। उत्तर प्रदेश में पहले से ही ऐसा कानून मौजूद है, जिसमें प्रश्नपत्र लीक करने, उत्तर पुस्तिकाओं से छेड़छाड़ करने आदि में शामिल किसी व्यक्ति या समूह को कम से कम तीन सालों के लिए जेल और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने की सज़ा का प्रावधान है। इसके बाद भी पेपर लीक और कई दूसरी तरह की परीक्षाओं से संबंधित गड़बड़ियां लगातार हो रही हैं।

अब उत्तर प्रदेश सरकार एक साल की सजा के बजाय 10 साल तक की सजा और 1 करोड़ की जगह 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माना लगाने की बात पर विचार कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के न्याय एवं विधि विभाग तथा गृह विभाग को इस संबंध में जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वो कठोर से कठोर कानून का मसौदा बनाकर मुख्यमंत्री के सामने पेश करें। जानकारों का मानना है कि कितना भी मसौदा कड़ा बना दिया जाए, यह राजस्थान में मौजूद इसी तरह के कानून से ज्यादा कड़ा कानून नहीं होगा, जिसमें इस तरह का अपराध करने वालों को उम्र कैद तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यही नहीं ऐसे अपराधियों पर एनएसए या गैंगस्टर जैसे एक्ट लगाये जाने की भी बात है और अगर ये कानून इसके दायरे में आये तो फिर अपराधियों की संपत्तियों पर बुलडोजर भी चलाया जायेगा और अपराधियों की हर तरह की संपत्तियों को छीनकर इस अपराध में हुए आर्थिक नुकसान की भरपायी की कोशिश की जायेगी। सवाल है कि जब पहले से ही आठ राज्यों में नकल और नौकरियों से संबंधित परीक्षाओं में होने वाली धांधलियों से निपटने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं, फिर भी परीक्षाओं में होने वाली तरह-तरह के धांधलेबाजियां नहीं रुक रही हैं, तो भला कैसे उम्मीद की जा सकती है कि एक और कानून आ जाने भर से इस समस्या से छुटकारा मिल जायेगा। दरअसल यह समस्या इसलिए भी छोटी-मोटी नहीं है, क्योंकि देश के सभी महत्वपूर्ण और बड़े प्रदेशों में ये संकट एक लंबे अर्से से मौजूद है, जिसके विरुद्ध अब तक कई तरह के कानूनों को आजमाये जाने के बाद भी ऐसे अपराधों में रत्तीभर भी कमी नहीं आयी। तथ्य इस बात के गवाह हैं कि बीमारी जटिल व गहरी जड़ें पकड़ चुकी है। वास्तव में अगर इस बीमारी से मुक्ति पाना है, तो सरकार को बहुत कठोर होकर इस बीमारी से मुक्ति के लिए परीक्षाओं की गहरी चीड़फाड़ वाली सर्जरी करनी होगी। तभी इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

– साभार: यह लेखक के विचार हैं।

निशाना

आ गई वो बेला !

हैं सारे सतर्क ।
भर रहे ललकार ।।
देखते हैं कितना ।
हो पाता उद्धार ।।
आ गई वो बेला ।
हुआ जिसका इंतज़ार ।।
मन ही मन पहनने को ।
हैं आतुर अब हार ।।
भले हो जग हंसाई ।
चलते हर पल चाल ।।
हैं लगते तैयार ।
करने को बवाल ।।
पर फैसला जनता का ।
क्यों नहीं स्वीकार ।।
पर लगता है जल्द ही ।
होंगे सब फरार ।।

– कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1243 अनातोलिया-मंगोलों के मंगोल आक्रमणों ने सेलजुक तुर्कों पर एक निर्णायक जीत हासिल की, जिससे सेलजुक राज्य का पतन व विघटन हुआ
- 1295 प्रिज़ीमल द्वितीय को पोलैंड का राजा, पहला राज्याभिषेक 219 वर्षों में पोलिश शासक का ताज पहनाया गया।
- 1483 रिचर्ड इंग्लैंड का राजा बन गया। रिचर्ड बोस्निया फील्ड की लड़ाई में 1485 में, 1485 में अपनी मृत्यु तक इंग्लैंड के राजा थे। के अंतिम राजा और प्लांटगेनेट वंश के अंतिम थे। बोसवर्थ फील्ड में उनकी हार, युद्धों के रोसेस की अंतिम निर्णायक लड़ाई, इंग्लैंड में मध्य युग के अंत के रूप में चिह्नित हुई। वह विलियम शेक्सपियर द्वारा काल्पनिक ऐतिहासिक नाटक रिचर्ड का विषय है।
- 1498 चीन में पहला टूथ ब्रश बनाया गया। पहली बार आधुनिक टूथब्रश के पहले मॉडल का चीन के एक राजा ने पेटेंट करवाया था।
- 1714 स्पेन और नीदरलैंड ने शांति / व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- 1714 स्पेन और नीदरलैंड ने व्यापार एवं शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- 1718 रूस के त्सारेविच अलेक्सी पेट्रोविच पीटर के महान बेटे को उसके पिता की मृत्यु के लिए सजा सुनाई गई।
- 1721 डॉ ज़बडीएल बॉयलस्टोन अमेरिका प्रथम चेचक की औषधि बनाया।
- 1794 फ्रेंच रिवोल्यूशनरी वार्स- फ्लेरस की लड़ाई ने विमान के पहले सफल सैन्य उपयोग को चिह्नित किया। टोही गुब्बारा के फ्रांसीसी उपयोग ने एक विमान के पहले सैन्य उपयोग को चिह्नित किया जिसका युद्ध के परिणाम पर प्रभाव था।
- 1848 पेरिस में जून दिवस विद्रोह का अंत किया गया।
- 1848 जून डेज विद्रोह फ्रांस के श्रमिकों द्वारा एक विद्रोह था। यह राष्टीय कार्यशालाओं को बंद करने की योजना के जवाब में था, जो दूसरे गणराज्य द्वारा बनाई गई थी ताकि काम और बेरोजगारों को आय का एक स्रोत प्रदान किया जा सके; हालांकि, केवल कम वेतन, डेड-एंड नौकरियां प्रदान की गई थीं, जो मुश्किल से जीवित रहने के लिए पर्याप्त धन प्रदान करती थीं।

मोड सबके जीवन
में आते हैं,
किन्तु किसी के लिये
वह सबक होते हैं,
तो किसी के लिये
शुरुआत होते हैं...

भावी पीढ़ियों को बीमारियों से समुद्र ही बचाएगा

■ जयसिंह रावत

हिन्दू पुराणों में समुद्र की उत्पत्ति के सम्बन्ध में अनेक प्रकार की कथाएं दी गई हैं और कहा गया है कि सब प्रकार के रत्न समुद्र से ही निकलते हैं। इसीलिये उसे 'रत्नाकर' भी कहा जाता हैं। केवल रत्न ही नहीं बल्कि इस धरती के महासागर बेशुमार और अत्यंत उपयोगी औषधियों के भी खजाने हैं। शास्त्रों के अनुसार देवताओं और दैत्यों द्वारा किये गये समुद्र मंथन से ही अमरत्व प्रदान करने वाला अमृत और जीवन का नाश करने वाला विष प्राप्त हुआ था। समुद्र के अन्दर के खजानों की खोज के लिये ही भारत सरकार ने 'डीप सी मिशन' याने कि 'गहरे समुद्र अभियान' को शुरू किया है जो कि केवल खनिज अन्वेषण तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें समुद्री विज्ञान का विकास और वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं की खोज और समुद्री जैव विविधता का संरक्षण आदि भी शामिल है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के इस प्रस्ताव को 16 जून 2021 को 5 साल के लिये 4077 करोड़ के बजट के साथ मंजूरी दे दी थी।

वैज्ञानिकों के अनुसार समुद्री पर्यावरण जैव सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों का एक असाधारण भंडार है, जिनमें से कई स्थलीय प्राकृतिक उत्पादों में नहीं पाए हैं। समुद्री जीवों अपना अस्तित्व बचाने के लिये प्राकृतिक तौर पर जैव रासायनिक और विशिष्ट शारीरिक तंत्र विकसित किए हैं जिनमें प्रजनन, संचार और शिकार, संक्रमण और प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा जैसे उद्देश्यों के लिए जैव सक्रिय यौगिकों का उत्पादन शामिल है। समुद्री पर्यावरण में भौतिक और रासायनिक स्थितियों के कारण, समुद्री जीवों का लगभग हर वर्ग अद्वितीय संरचनात्मक विशेषताओं वाले विभिन्न प्रकार के अणुओं को धारण करता है। मैरीन ड्रग्ज' पत्रिका के 25 मई 2004 में प्रकाशित एक शोधपत्र के अनुसार रासायनिक विविधता से अलावा भी समुद्र अद्भुत जैविक विविधता का भंडार है। जीवन के 34 मूल संघों में से भूमि पर केवल 17 संघ पाए जाते हैं जबकि समुद्र में 32 संघ पाए जाते हैं। जैव विविधता के मूल दृष्टिकोण से महासागर कहीं अधिक विविध है और वास्तव में प्राकृतिक फार्मेसी विकसित करने के लिए उनमें असीम संभावनाएं हैं।

शोध पत्र के अनुसार अब तक शोधकर्ताओं ने लगभग 7000 समुद्री प्राकृतिक उत्पादों को चिन्हित किया है, जिनमें से

25 प्रतिशत शैवाल से, 33 प्रतिशत स्पंज से, 18 प्रतिशत कोइलेंटरेट्स (समुद्री चाबुक, समुद्री पंखे और नरम कोरल) से, और 24 प्रतिशत अन्य अकशेरुकी फाइला के प्रतिनिधियों से हैं। जैसे कि एसिडियन (जिसे ट्यूनिकेट्स भी कहा जाता है), ओपिथोब्रांच मोलस्क (न्यूडिब्रांच, समुद्री खरगोश आदि), इचिनोडर्म्स (स्टारफिश, समुद्री खीरे आदि) और ब्रायोजोअन (मॉस जानवर)।

कैलिफोर्निया के ला जोला में स्क्रिप्स इंस्टीट्यूशन ऑफ ओशनोग्राफी में सेंटर फॉर मरीन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोमेडिसिन के निदेशक और ऑर्गेनिक केमिस्ट विलियम फेनिकल कहते हैं, कि चूंकि हम इंसान जमीन पर रहते हैं, इसलिए हमने हमेशा वहीं देखा है, लेकिन अगर आप शुरू से पूछें कि हमें कहां खोज करनी चाहिए? तो जवाब हमेशा समुद्र होगा। अब हम वहां हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्री जीवों से भविष्य में अनेक जीवन रक्षक औषधियां बनाई जा सकेंगी। समुद्री स्रोतों से प्राप्त यौगिकों का परीक्षण अब पुराने दर्द, अस्थमा और स्तन कैंसर सहित विभिन्न घातक बीमारियों के उपचार के रूप में किया जा रहा है। पता चला है कि स्लाइम उपयोगी जैव रसायन बनाने में बिल्कुल शानदार है। औषधीय वनस्पति विज्ञान में पिछले कई वर्षों में किए गए शोध ने समुद्री जैव-पूर्वेक्षण के लिए एक प्रमुख प्रेरणा दी है। 100 से अधिक महत्वपूर्ण दवाएँ या तो सीधे अर्क के रूप में या पौधों के अणुओं के सिंथेटिक पुनर्रचना के रूप में उत्पन्न होती हैं, जिनमें एस्पिरिन (विलो छाल से), डिजिटलिस (फूलों वाली जड़ी-बूटी फॉक्सग्लोव से), मॉर्फिन (अफीम खसखस से) और मलेरिया-रोधी दवा कुनैन (सिनकोना पेड़ की छाल से) शामिल हैं। केंद्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीआरआई), भावनगर के शोधकर्ताओं ने समुद्री शैवाल से प्राप्त पॉलीसेकेराइड यौगिक से अगर-एल्डिहाइड के संश्लेषण और फिर उस पर आधारित ठोस सिल्वर नैनो कंपोजिट तैयार करने की पद्धति विकसित की है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस पद्धति से किफायती सिल्वर नैनो कंपोजिट प्राप्त किया जा सकता है, जो बैक्टीरिया-रोधी परत चढ़ाने, प्रतिक्रियाशील पदार्थों के निर्माण और कैंसर-रोधी उपचार विकसित करने में सहायक हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ साइंस जर्नल के अप्रैल-जून 2016 के अंक में प्रकाशित हर्षद माल्वे के शोध पत्र 'एक्सप्लोरिंग द ओसन फॉर न्यू ड्रग डेवेलपमेंट्स' मैरीन फार्माकॉलॉजी' के अनुसार बीमारियों के पैटर्न बदल रहे हैं और बदलते पर्यावरण के कारण नई बीमारियां उभर रही हैं। दुनिया की आबादी में भारी वृद्धि ने दवाओं के लिए मौजूदा संसाधनों पर बोझ बड़ा दिया है, इसलिए दवा निर्माता दुनिया की आबादी की बढ़ती मांगों के लिए प्रभावी और सुरक्षित दवाएं विकसित करने के लिए हमेशा नए संसाधनों की तलाश में रहते हैं। पृथ्वी की सतह का पचहत्तर प्रतिशत हिस्सा पानी से ढका हुआ है, लेकिन समुद्री जीवों के औषधि विज्ञान में शोध सीमित है और इसका अधिकांश हिस्सा अभी भी अनदेखे पड़ा हुआ है। समुद्री पर्यावरण कैंसर या

मलेरिया जैसी बढ़ी बीमारियों से निपटने के लिए नई दवाओं के लिए अनगिनत और विविध संसाधनों की संभावनाओं के द्वार खोलता है। यह विभिन्न जलीय पौधों और जानवरों से युक्त एक पारिस्थितिक संसाधन भी प्रदान करता है। इन जलीय जीवों की जीवाणुरोधी, इम्यूनोमॉड्यूलेटर, एंटी-फंगल, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीकैंसर, एंटीमाइक्रोबियल, न्यूरोप्रोटेक्टिव, एनाल्जेसिक और एंटीमलेरियल गुणों के लिए जांच की जाती है। इनका उपयोग दुनिया भर में नई दवा के विकास के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है। समुद्री औषध विज्ञान में समुद्री मूल की इन दवाओं पर शोध की असीम संभावनाएं हैं। भारत में कुछ संस्थान हैं जो कि नई दवाओं की खोज में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं।

एक्टिनोबैक्टीरिया औषधीय सोने की खान – वैज्ञानिक पत्रिका 'रिसर्च गेट' के मार्च 2017 के अंक में सैयद सम्सुल हसन और अब्दुल लतीफ के शोध पत्र ÷मैरीन एक्टिनोबैक्टीरिया ऐज अ ड्रग ट्रेजर हाउस÷ के अनुसार समुद्री एक्टिनोबैक्टीरिया को उनके द्वितीयक मेटाबोलाइट्स की असीम क्षमता के कारण सोने की खान माना जाता है। अब अधिकांश शोध एक्टिनोबैक्टीरिया के व्युत्पन्न द्वितीयक मेटाबोलाइट्स पर इसके औषधीय गुणों की जांच करने के लिए किए गए हैं। एक्टिनोबैक्टीरिया में भविष्य की महत्वपूर्ण बीमारियों, जैसे कि दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया, कैंसर, वायरल बीमारियों की एक श्रृंखला, मलेरिया, कई संक्रमण और सूजन का इलाज करने की क्षमता है। हालाँकि, कई जैव अणुओं की क्रिया का तरीका अभी भी अप्रयुक्त है, क्योंकि उन यौगिकों की एक ठोस संख्या है जिसके द्वारा वे मानव रोगजनन में हस्तक्षेप करते हैं, यहाँ विस्तृत आरेखित चित्रण के साथ रिपोर्ट किए गए हैं।

– साभार

जनसुनवाई में 164 आवेदन प्राप्त हुए..

अवैध शराब दुकान हटाने तो कोई नाली बनवाने पहुंचा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

आम जनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई का कार्यक्रम प्रति मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित किया जाता है। आम नागरिक जनसुनवाई में 164 आवेदन प्राप्त हुए ।जनसुनवाई में वार्ड नंबर 10 साई बाबा कॉलोनी मालाखेड़ी के वार्ड वासी पहुंचे और उन्होंने कॉलोनी में गली नंबर 3 में नाली बनवाने का आवेदन प्रस्तुत किया । वार्ड वासी रुपेश गिरी , भूरालाल , कानू शर्मा, पूनम यदुवंशी, फूलवती, दीपक पाल , अशोक , विनोद , ओंकार जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके वार्ड में नाली ना होने के कारण घरो का बेकार पानी को मुख्य मार्ग में छोड़ दिया जाता है। जिससे गली में पानी फैल जाता है । कई घरों का शौच निकासी पानी सड़क पर ही एकत्रित होकर फैलता है। कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारी को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए , वही नर्मदा पुरम के पंकज शुक्ला ने जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि नर्मदा पुरम शहर के एकता चौक एवं हीरो होंडा चौराहा व श्रीराम मंदिर के सामने प्राइवेट बस स्टैंड पर होटल में अवैध शराब की बिक्री होती है । खुले स्थानों पर मांस मछली की बिक्री भी हो रही है । नर्मदा पुरम एक धार्मिक नगरी है एवं यह सब देखकर धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचती है। कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को तत् संबंध में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए ।

वार्ड नंबर 1 की श प्रतिभा यादव ने अपनी पड़ोसी की शिकायत करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया और बताया कि उनके पड़ोसी ने उनके पुराने कच्चे मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया है, एवं बिना सीमांकन कराए निर्माण कार्य कर रहे हैं।पथोडी निवासी उमाशंकर चोरे ने प्रस्तुत आवेदन में बताया कि 13 मई को उन्होंने पवार खेड़ा वेयरहाउस में 34 क्विंटल गेहूं दिया था , जिसका भुगतान अभी तक नहीं हुआ है । पुरानी इटारसी की रूपवती सिंह ने गत दिवस नर्मदा पुरम घाट पर पुत्र कृष्णा के डूबने से हुई मृत्यु का हवाला देते हुए आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की । ग्राम रोहना के प्रकाश पटवा ने अपनी कृषि भूमि पर कतिपय लोगों द्वारा अतिक्रमण करने की बात बताई और मांग की की अतिक्रमण करने वालों पर विधिवध दंडात्मक कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण तत्काल हटाया जाए।बनखेड़ी के पंकज प्रजापति ने प्रस्तुत आवेदन में बताया कि बनखेड़ी तहसील कार्यालय में नियमित रूप से जनसुनवाई नहीं होती है, इसके कारण उन्हें और उनके जैसे कई लोगों को 100 किलोमीटर दूर नर्मदा पुरम में जनसुनवाई में आना पड़ता है। राजस्व अधिकारी राजस्व कार्य में व्यस्त रहते हैं । इस कारण से नियमित रूप से जनसुनवाई नहीं होती।

निराश्रित गोवंशों को गौशाला में पहुंचाया गया, होगी देखभाल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले के सभी शहरी क्षेत्र , तहसील मुख्यालय एवं प्रमुख सड़कों एवं स्थानो पर विचरण करने वाले निराश्रित गोवंश को विधिवत रूप से गौशालाओं में पहुंचाया जा रहा है। गौशालाओं में निराश्रित गोवंश के लिए चारा, भूसा , पानी एवं अन्य सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध हैं । उल्लेखनीय है कि निराश्रित गोवंश एवं कतिपय गोवंश मालिकों द्वारा जानबूझकर सड़क पर विचरण करने के लिए छोड़े गए गोवंश, मवेशियों से सड़क पर आने जाने वाले वाहनों एवं आने जाने वाले लोगों में अक्सर सड़क

दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है । सड़क दुर्घटना को भी यह आमंत्रित करते हैं। नेशनल हाईवे पर बारिश में इन निराश्रित पशुओं की वजह से आए दिन दुर्घटनाएं भी घटित होती हैं। दुर्घटनाओं को रोकने एवं पशुधन की जीवन रक्षा के लिए सभी जगह निराश्रित गोवंशों को गौशालाओं में पहुंचाया जा रहा है । इससे आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हो सकेगी और पशुधन के जीवन की रक्षा भी हो सकेगी।

पशुओं को सुरक्षित गौशालाओं में रखने पर उनकी समुचित देखभाल भी हो सकेगी , सभी पशु मालिकों , किसानों से अपील भी की जा रही है कि वह अपने पशुओं को सड़कों पर विचरण के लिए ना छोड़े । ग्राम पंचायत में ग्राम सचिवों के द्वारा गोवंश पालकों को घर-घर जाकर समझाएं। नगर पालिका नर्मदा पुरम द्वारा निराश्रित गोवंश को गौशालाओं में पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। अब तक नगर पालिका द्वारा 244 गायो को गौशाला में पहुंचाया गया है। वही बैल एवं साड को संतकूनडा एवं सीहोर के वनों में छोड़ा जा रहा है।। नर्मदा पुरम में शहर में तीन गौशालाएं संचालित है। सुरभि गौशाला और उसके समीप एक अन्य गौशाला तथा बीटीआई गौशाला, सभी नगर पालिका द्वारा स्थापित है, लेकिन इनका संचालन निजी समितियो द्वारा किया जा रहा है ।

बताया गया कि अब तक मालाखेड़ी , रसूलिया , ग्वालटोली, इच्छा पूर्ति मंदिर, हरदा बाईपास , कोठी बाजार, सदर बाजार , सेठानी घाट, बांद्राभान रोड से निराश्रित गोवंश को सुरक्षित रूप से गौशालाओं में पहुंचाया गया है। नगर पालिका के पास मात्र एक वाहन है, जिसमें एक बार में 12 से 13 गोवंशों को वह गौशाला में छोड़ रहे हैं ।

जनपद पंचायत सोहागपुर द्वारा भी निराश्रित गोवंशों को गौशालाओं में आश्रय देने के लिए अभियान शुरू किया गया है । अब तक ग्राम शोभापुर से 52 गायो को गौशालाओं में रखा गया है। बताया गया कि सुहागपुर में तीन गौशालाएं संचालित हैं। सिवनी मालवा में रोड पर विचरण करती गायों को निमनपुर गौशाला में शिफ्ट किया गया। गायों को खुला ना छोड़ने के लिए ग्राम पंचायतों में अनाउंसमेंट भी किया जा रहा है । केसला और जमानी की गौशाला में भी पशुओं को सुरक्षित पहुंचाया गया। सभी की वहां पर्याप्त रूप से देखभाल की जा रही है। जनपद पंचायत नर्मदापुरम की टीम ने रंढाल एवं बाईखेडी की गौशाला में सडकों पर विचरण करती बीमार गायों को पहुंचाया गया। गौशाला में कुल 43 गौवंशों को पहुंचाया गया।

कांग्रेस ने किया किसान चौपाल का आयोजन

इटारसी। कृषि उपज मंडी मे नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा एक किसान चौपाल का आयोजन रखा गया। जिसमे किसानों को मूंग खरीदी में आ रही विभिन्न समस्याओ का निराकरण अधिकारियों से चर्चा कर किया गया, इस दौरान एक किसान की फसल तुलने के बाद व्यापारी द्वारा यह कहा गया की मूंग की क्वालिटी अच्छी नहीं है। इसलिए मूल्य कम होगा, जिसकी उक्त किसान की समस्या मंडी सचिव से बात कर तुरंत हल करवाई गयी एवं पहले से तय मूल्य मे उसकी फसल बिकवाई गयी एवं खरीदी के दौरान सर्वर की समस्या आने पर खरीदी बंद होने पर अधिकारियो से चर्चा कर तुरंत खरीदी चालु कराई गयी। इस चौपाल के दौरान किसानों की अनेको समस्याओ का हल स्थल पर ही कराया गया, इस अवसर प्रमुख रूप से नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल, नीलेश मालोनीया, नगर अध्यक्ष सौम्य दुबे,जिला महासचिव गौरव चौधरी, प्रदेश सचिव प्रतिक मालवीय, हिमांशु बाबू अग्रवाल, रामशंकर सोनकर,राहुल दुबे, प्रणीत मिश्रा, चंद्रकांत बहारे,पप्पू आठनेरे,वैभव शर्मा, शम्मी जायसवाल,पंकज राजपूत, प्रणय मिश्रा, विशाल बडकुर, रोहित राजपूत,गोपाल नामदेव आदि उपस्थित थे।

निजी स्कूलों की चुनिंदा दुकानों पर मिलती है किताब

डीईओ ने तीन सदस्यीय टीम बनाकर निजी स्कूलों में जांच के दिए थे आदेश, दो माह बाद भी अधूरी

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो। निजी स्कूलों की किताबें और कॉपी चुनिंदा दुकानों के आरोपों की जांच धीमी गति से चल रही है, महीनों बीत जाने के बावजूद अभी तक जांच ठप्प पड़ी हुई है, खुलेआम चल रही किताबों की दुकान प्रशासन की नजरों से दूर है। लगातार निजी स्कूलों की मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासनिक अमले ने जांच के दावे करते हुए सिवनी मालवा में जांच दल गठित किया था। जिसमें निजी स्कूलों की जांच के लिए जिला प्रशासन की ओर से गठित टीम सिवनी मालवा के कुछ निजी स्कूलों में जांच करने पहुंची, जहां पहले अधिकारियों ने स्कूल प्रबंधन से चर्चा की साथ ही फीस और स्कूल में चलाई जाने वाली पुस्तकों की जानकारी ली।

लेकिन कुछ दिन चली यह कवायद चंद दिनों की कागजी खानापूर्ति ही साबित हुई, जांच टीम के सदस्यों ने सिवनी मालवा के कुछ निजी स्कूलों में पहुंच कर बच्चों से बात तो की लेकिन लगातार मिल रही शिकायत को लेकर उपस्थित विद्यार्थियों से सवाल जबाव कर अपनी कथित रिपोर्ट बनाने की बाते भी सामने आ रही है। हालांकि अभी तक जांच रिपोर्ट?जिला कार्यालय में जमा नहीं हुई है, ना ही अभी तक रिपोर्ट अभी तक पूरी हुई है। अब देखना यह है कि प्रशासनिक अधिकारी अपनी रिपोर्ट कब तक जमा करता है।

जांच रिपोर्ट में जो भी आए लेकिन निजी स्कूलों की पुस्तकों की जानकारी ना तो स्कूल की सोशल मीडिया पेज पर उपलब्ध है ना ही शासन की किसी बेव साइड पर। हालांकि कुछ स्कूलों ने जांच शुरू के बाद अपने स्कूलों के बोर्ड पर पुस्तकों की सूची जरूर लगा दी है।

अब इसका दोषी कौन है स्कूल प्रबंधन या शासन के अधिकारी जो निजी स्कूल की पुस्तकों की जानकारी सार्वजनिक करने से बचते रहते है। हालांकि जांच दल की जो भी रिपोर्ट हो वह भी सार्वजनिक होना चाहिए, जिससे सबको पता चले कि स्कूलों पर लग रहे आरोपों में कितनी सत्यता है, या फिर जो आरोप स्कूलों पर लगते है उनकी जांच होती है तो अधिकारियों को क्या मिलता है? हालांकि रिपोर्ट को सार्वजनिक करने को लेकर अधिकारी अपनी असमर्थता जताते है लेकिन अगर जांच रिपोर्ट सामने आई तो सारा सच पूरी तरह सामने आ जाएगा।

जांच दल में शामिल सदस्य

राकेश खजूरिया, तहसीलदार, एसएस रघुवंशी, बीईओ संगीता यादव, बीआरसीसी एएस राजपूत, प्राचार्य सीएम राइज

इनका कहना है

जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश पर सिवनी मालवा के निजी स्कूलों की जांच चल रही है। कुछ स्कूलों में बच्चों से जानकारी ली गई थी, बीच में स्कूल बंद होने के कारण जांच में समय लगा है। शीघ्र ही जांच पूरी कर इसकी रिपोर्ट? वरिष्ठ कार्यालय को सौंप दी जाएगी।

संगीता यादव, बीआरसीसी सिवनी मालवा

जांच दल में तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी थे, जांच लगभग पूरी हो चुकी है लेकिन अपनी अपनी व्यवस्थाओं के साथ जांच रिपोर्ट अभी नहीं बन पाई है, जिसे जल्द बनाकर जिला कार्यालय को सौंप दिया जाएगा।

एसएस रघुवंशी, विकास खंड शिक्षा अधिकारी

सार्वजनिक होना चाहिए जांच रिपोर्ट

अधिकारियों ने निजी स्कूलों की जांच कर ली, तमाम स्कूलों में जाकर स्कूल प्रबंधन से मुलाकात की, कुछ स्कूलों में बच्चों से बातचीत की। दावे किए जा रहे है कि बच्चों से स्कूल प्रबंधन की गैर मौजूदगी में बात कर जानकारी ली गई है लेकिन जब स्कूल के भीतर बच्चों से बात की जा रही है तो बच्चों पर स्कूल प्रबंधन द्वारा दी गई समझाइश का कितना असर रहा होगा यह बात आसानी से समझी जा सकती है। खैर बात जांच रिपोर्ट की करे तो दो महीने से भी अधिक समय बीत जाने के बावजूद अभी तक जांच अधूरी होना, चिंता का विषय तो है तो कहीं ना कही इशारा भी करता है कि इसमें राजनैतिक हस्तक्षेप के कारण भी अधिकारियों को कार्रवाई करने में कुछ समस्याएं सामने आ रही होगीं। हालांकि यह बात अक्सर सामने आती है कि निजी स्कूलों की पुस्तकें चुनिंदा दुकानों पर ही मिलती है लेकिन बीते सालों में इन पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं होना कई गठजोड़ो की ओर इशारा भी करता है। खैर पहले जो हुआ वो अलग बात है लेकिन अब जबलपुर में हुई कार्रवाई के बाद जनता की नजर यहां भी है कि क्या यहां भी मध्यप्रदेश शासन के नियम चलेगें या किसी और के ?

मेट्रो एंकर

सेवा सहकारी समिति धनगांव की ऑडिट रिपोर्ट प्रतिवेदन अभी तक नहीं दिया

चार साल में भी पालन प्रतिवेदन प्राप्त न कर सका सहकारिता विभाग...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सहकारिता विभाग में जो हो जाए वह थोड़ा है. इस विभाग में नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार की जड़े इतनी गहराई से जमी हुई है कि उनको उखाड़ फेंकना असंभव है. शायद यही वजह है कि सबूत होने के बावजूद भी विभागीय अधिकारी अपने निचले स्तर पर कार्रवाई नहीं कर पाते. एक एक कार्रवाई में कई साल लग जाते हैं लेकिन कार्रवाई पूरी होने का नाम ही नहीं लेती।

एक ऐसा ही मामला हरदा जिले की सेवा सहकारी समिति धनगांव का देखने को मिला है. वर्ष 2018-19 में धनगांव सहकारी समिति का ऑडिट हुआ था. लेकिन समिति प्रबंधक द्वारा आज दिनांक तक सहकारिता विभाग को ऑडिट का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया. एक आवेदक ने सूचना के अधिकार के तहत जब इस संस्था की ऑडिट प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति चाही तो उसे ऑडिट के प्रतिवेदन तो मिल गए लेकिन पालन प्रतिवेदन नहीं दिए गए. इस पर विभाग का कहना है कि अभी तक कार्यालय में पालन

प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण दिए जाना संभव नहीं है। विचित्र बात यह कि जिस समिति का ऑडिट 4 वर्ष पूर्व हो गया है और आडिट आपत्तियों को लेकर समिति द्वारा इतने वर्षों में भी कार्यालय को पालन प्रतिदिन प्रस्तुत नहीं किया गया. इससे जाहिर होता है कि समिति प्रबंधक और सहकारिता विभाग के कर्ताधर्ता पालन प्रतिवेदन प्राप्त करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे क्योंकि ऑडिट में जो आपत्ति आई है उनकी भरपाई करना शायद समिति के बस के बाहर है. मान लो जैसे तैसे समिति प्रबंधक ने ऑडिट के पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत भी कर दिए तो क्या वह धरातल पर सही साबित होंगे।

सेवा सहकारी समिति धनगांव तहसील जिला हरदा को लेकर जब सहायक आयुक्त सहकारिता से चर्चा की तो उन्होंने बताया अभी कार्यालय में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत न होने के कारण दिया जाना संभव नहीं है. इसके लिए विभाग की कार्रवाई जारी है।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त आयुक्त सहकारिता नर्मदा पुरम द्वारा कार्यालय पत्र क्रमांक / शिकायत -165 को लेकर दिंनाक - 02/08 /2023 10/08 /2023 14/09/ 2023 12 /10 /2023 22/ 11/ 2023 01/04 /2024 28/ 02/ 2024 18/03 /2024 द्वारा सहायक आयुक्त सहकारिता हरदा को जांच प्रतिवेदन प्रेषित करने के लिए अवगत कराया गया था. लेकिन आज दिनांक तक जांच प्रतिवेदन संयुक्त आयुक्त कार्यालय में प्रेषित ना करने पर संयुक्त आयुक्त सहकारिता द्वारा आयुक्त एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं मध्यप्रदेश को पत्र लिखकर सहायक आयुक्त सहकारिता हरदा पर कार्रवाई करने के लिए आग्रह पत्र जारी किया है।

कार्रवाई के लिए आयुक्त सहकारिता को पत्र...

एक अन्य प्रकरण में सेवा सहकारी समिति रूपी परेटिया तहसील जिला हरदा के वर्ष 2018-19 के ऑडिट में आई आपत्ति को लेकर की गई शिकायत के आधार पर सहायक आयुक्त हरदा द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर संयुक्त आयुक्त सहकारिता नर्मदापुरम द्वारा आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं मध्य प्रदेश भोपाल को पत्र क्रमांक 547 दिनांक 27/05 /2024 जारी करते हुए अवगत कराया कि संयुक्त आयुक्त कार्यालय द्वारा सहायक आयुक्त सहकारिता जिला हरदा को लगातार पत्रों से निर्देश दिया जाकर शिकायत पर की गई कार्रवाई की जानकारी चाही गई किंतु सहायक आयुक्त सहकारिता हरदा स्तर से किसी भी प्रकार का पत्र उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है इसे सहायक आयुक्त सहकारिता हरदा की लापरवाही एवं वरिष्ठ कार्यालय की अवहेलना मानकर कार्यालय पत्र क्रमांक 363 दिनांक 1 4 2024 से उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया है प्रकरण में आज दिनांक तक भी सहायक आयुक्त सहकारिता हरदा से कोई भी प्रतिवेदन अप्राप्त है।

दिव्यांग लाल सिंह को 25 हजार की राशि का चेक सौंपा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा की कुरवाई तहसील के ग्राम घोसुआ निवासी दिव्यांग लाल सिंह अहिरवार की आर्थिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए विदिशा के समाजसेवी श्री रमेश माहेश्वरी ने 25 हजार रुपये की राशि का चेक उपलब्ध कराया था। जिसे अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर सहित अन्य के द्वारा आज कलेक्ट्रेट पहुंचे दिव्यांग श्री लाल सिंह अहिरवार को चेक प्रदाय कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। दिव्यांग श्री अहिरवार को अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करने में समाजसेवी द्वारा प्रदाय की गई राशि से बहुत सहायता मिलेगी। पूर्व में कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचे दिव्यांग आवेदक श्री लाल सिंह की समस्या का मौके पर निराकरण करते हुए उन्हें महज एक घंटे में ही ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई थी

निर्धारित दुकानों पर से ही मनमाने दामों पर पुस्तक बेचने का कर रहे काम

एसडीएम पहुंचे जांच करने, दुकानदारों के छूटे पसीने, नहीं देते पक्का बिल

अधिकांश स्कूल संचालक पालकों की जेब पर डलवा रहे हैं डाका

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शिक्षा को वैसे सेवा के रूप में माना जाता है पर नगर में अधिकांश निजी स्कूल संचालकों के द्वारा खुलेआम अभिभावकों की जेब पर डाका डालकर अपना फायदा करने का काम किया जा रहा है। वैसे ही बड़े स्कूलों के नाम पर मोटी फीस वसूली जा रही है उसको भरने में ही पसीने छूट रहे हैं। निजी स्कूलों के द्वारा शासन की गाइडलाइन का खुलेआम उल्लंघन करने का कार्य भी किया जा रहा है किसी भी तरह की लगाम लगाने की कार्रवाई समय रहते शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों के द्वारा नहीं उठाई रिजर्वेशन की मनमर्जी जारी है कॉपी किताबों के नाम पर भी कमीशन खोरी का खेल चल रहा है अधिकांश दीजिए स्कूल संचालकों के द्वारा अपने हिसाब से 12 कानों पर ही काफी किताबें पुस्तक ड्रेस रखवा कर उसमें भी कमाई करने का काम किया जा रहा है दुकानदार को निश्चित कमीशन देकर बाकी मोटी रकम अपनी जेब में डालने का काम किया इससे पालकों की जेब पर अतिरिक्त भोज पड़ रहा है। इनकी जांच करने के लिए मंगलवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ,वी ई ओ उमेश सोनी को लेकर बाजार में स्कूलों की किताबें कॉपी ड्रेस आदि सामग्री बेचने वाली दुकानों की जांच करने हाजीपुर मैं पहुंचे तो कई दुकानदारों की हवाइयां उड़ गई इनमें से अधिकांश दुकानदारों के द्वारा पक्का बिल देने का काम नहीं किया जा रहा है। जबकि पाल कौन से जीएसटी भी वसूली जा रही है उसको मेंटेंन करने का काम भी इनकी दुकान पर जांच के दौरान नहीं मिला दूसरी ओर कुछ दुकानदारों के द्वारा एमआरपी पर ही किताब कॉपी आदि बेचने का कार्य किया जा रहा है । इसके पीछे का जो खेल है वहां अधिकांश बड़े स्कूलों के संचालकों के द्वारा अपने फायदे के लिए करवाया जा रहा है। किस दुकान से किताब मिलना है उसको भी निश्चित किया गया है। अन्य किसी दुकान पर से स्कूल की सामग्री नहीं मिलेगी इस वजह से मजबूरी में पालकों को महंगे दामों पर सामान खरीदना पड़ रहा है। इस पर लगाम लगाने के लिए एसडीएम ने जांच के दौरान दुकानदारों से कहा की एमआरपी पर 15त्न कमिशन दिया जाए साथ ही जांच के दौरान एक स्कूल का ऐसा कारनामा आया जिसमें किताब विक्रेता दुकानदार ने बताएं एमपी बोर्ड के स्कूल संचालक के द्वारा किताबे ड्रेसों आदि एक दुकानदार उपलब्ध कराया जिनको बचने के बदले में मुझे 5त्न

कमीशन दिया जा रहा है ।बाकी की कमाई स्कूल संचालक अपनी जेब में रख रहे है। ऐसी शिकायत मिलने पर एसडीएम ने स्कूल संचालक पर कड़ी कार्रवाई करने की बात भी कई है, वही देखने वाली बात हो गई कि इस तरह से खुलेआम अवैध वसूली करवाने वाले स्कूल संचालक पर प्रशासन कार्रवाई कर पाएगा या नहीं ऐसे काम अधिकांश स्कूल संचालकों के द्वारा किया जा रहा है एक तरफ सेवा करने की बात करते हैं दूसरी तरफ मेवा बटोरने में लगे हुए हैं निजी स्कूलों में बच्चों को पढ़ना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने दुकानदारों को जीएसटी के बिलों के बिल देने के निर्देश दिए पालकों से अधिक पैसे ना लिए जाए उल्टा एमआरपी से कम दाम पर समान मिले एसडीएम की जांच की भनक लगते ही कई दुकानदार तो दुकानें में बंद करके चलते बने थे।

खुलेआम आंखों में मिर्ची डालने का हो रहा है काम

शिक्षा विभाग के द्वारा स्कूलों के बैगों का बोझ कम करने के दिशा निर्देश जारी की है पर अधिकांश स्कूल संचालक अपना फायदा करने के लिए बिना जरूरत की किताबें भी चलवा कर अतिरिक्त बोझ बढ़कर वसूली करने में लगे हुए हैं डायरी भी अलग से हर साल स्कूल वाले दिलवाते हैं इसकी कीमत भी 300 से 400 होती है इसी तरह निर्धारित दुकान से किताबें ड्रेस आदि मिलने पर वहां पर अधिक पैसे लिए जा रहे हैं । इस तरह से पालकों की जेब पर खुलेआम डाका डालने वाले स्कूल संचालकों कर रहे हैं। इन पर लगाम नहीं होने के कारण इनके हौसले बुलंद हो रहे हैं। अब इनके द्वारा एक ही दुकानों से किताबें ड्रेस आदि उपलब्ध कराकर वहां से भी कमीशन बाजी के खेल को अंजाम दिया जा रहा है। कुछ स्कूल संचालक तो केवल खुद ही किताबें ड्रेस आदि उपलब्ध कराकर बिकने का काम करते हैं। समय रहते शिक्षा विभाग के द्वारा ऐसा करने वाले स्कूल संचालक और विक्रेताओं पर कार्रवाई की होती तो इसमें परिवर्तन हो सकता था वहीं देखना है कि एसडीएम की जांच के बाद कितना परिवर्तन होगा।

सभी स्कूल संचालकों की लेंगे बैठक

वही एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया महंगी किताबें ड्रेस पर लगाम लगाने के लिए नगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जितने स्कूल संचारित हो रहे हैं। उन सभी स्कूल संचालकों की बैठक लेकर उनको निर्देश देंगे की एक-दो दुकानों से नहीं कई दुकानों से काफी किताबें ड्रेस आदि उपलब्ध होनी चाहिए इनकी संख्या 5 से 6 काम से काम हो जिनकी कीमत भी काम हो ऐसी किताबें का उपयोग करें बच्चों पर अतिरिक्त बोझ ना डालें यदि शासन की गाइडलाइन की विपरीत कार्य किया गया तो कार्रवाई भी करेंगे फीस को लेकर भी दिशा निर्देश जारी करेंगे।

जन्म मृत्यु पंजीयन कार्य हेतु पोर्टल की कार्य प्रणाली से अवगत कराने प्रशिक्षण आज

सिरोंज। जन्म.मृत्यु पंजीयन का कार्य भारत के महारजिस्ट्रार जन्म- मृत्यु भारत सरकार गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार संपूर्ण भारत देश के साथ मध्यप्रदेश में भी किया जाता है। भारत सरकार द्वारा जन्म . मृत्यु पंजीयन से संबंधित नवीन मध्यप्रदेश में लांच किया गया है। त्स्ट।डच्म्क् ब्ै च्व्ज्।स् के अंतर्गत ही मध्यप्रदेश राज्य की समस्त जन्म . मृत्यु पंजीयन इकाईयों ;ग्रामीण ध् नगरीयद्ध में कार्य प्रारंभ हो गया है। पोर्टल पर सरलता व सुगमता से कार्य करने के लिये बुधवार 26 जून 2024 की दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट कार्यालय के बेतवा सभा कक्ष में जनगणना निदेशालय भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदाय किया जाएगा।

एडिप योजनांतर्गत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण परीक्षण शिविर 28 जून को

सिरोंज । भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को उज्जैन द्वारा भारत सरकार की एडिप योजनांतगर्त विदिशा जिले के पात्र दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण परीक्षण के लिए 28 जून 2024 की प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र विदिशा में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे पात्र दिव्यांगजन परीक्षण शिविर में निम्न दस्तावेज जैसे. फोटोए आधारकार्डए दिव्यांग प्रमाण पत्र ;यूडीआईडी कार्डद्धए समग्र आईडीए बीपीएल राशनकार्ड या आय प्रमाण पत्र तहसीलदारए सरपंच या वार्ड मेम्बर से जारी साथ लाना अनिवार्य है। अतः कृपया भारत सरकार की एडिप योजना अंतर्गत ऐसे दिव्यांगजन जिन्हे वैशाखीए व्हीलचेयरए ट्रायसाईकिलए मोटराईज्ड ट्रायसाईकिल इत्यादि सहायक उपकरण की आवश्यकता हो चिन्हांकन परीक्षण शिविर में उपस्थित होने हेतु अवगत कराना सुनिश्चित करें। जनसुनवाईए सीएम हेल्पलाईनए जनपद पंचायतए नगरीय निकाय एवं जनप्रतिनिधियों की मांग अनुसार 121 दिव्यांगजनों हितग्राहियों की सूची तैयार की गई है। इसके अतिरिक्त ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें सहायक उपकरण की आवश्यकता हो तथा पिछले पांच वर्षो में लाभ ना मिला हो परीक्षण शिविर में उपस्थित हेतु सूचित करें।

पशुपालकों को पशुओं की देखभाल पर जागरूकता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

वर्षा ऋतु में बदलते मौसम में जहाँ मावन जीवन के स्वास्थ्य सुरक्षा पर फोकस जरूरी है वहीं पशुधन की भी वर्षा ऋतु में देखभाल बहुत आवश्यक है। कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में पशुपालन विभाग की ओर से विशेष जागरूकता अभियान चलाकर पशुपालकों को उनके पशुओं की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक डॉण् एनण्केण् शुक्ला ने बताया कि इस मौसम में वातावरण में आई नमी में बढ़ोतरी के कारण पशुओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता हैए जिससे पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती हैए जीवाणुए विषाणुए फफूंद जनित एवं पशु परजीवियों जैसे जूं मक्खी व मच्छरों से होने वाली सभी प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। विभाग द्वारा पशुपालकों को पशुओं की देखभाल के लिए जागरूक किया जा रहा है। बरसात के मौसम में पशुपालकों को पशुओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पशुओं को सूखे स्थान पर रखेंए जहाँ पर हवा व धूप की पर्याप्त मात्रा में हो। साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। पशुओं को यदि पक्के फर्श पर रखा जाता है तो उस स्थान पर सप्ताह में कम से कम दो बार कीटाणुनाशक दवा का छिड़काव करें परजीवियों से बचाव के लिए पशुपालक पशु बाडे में मच्छरदानी का प्रयोग करें तथा समय समय पर नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श लेकर परजीवियों से बचाव के लिए दवाईयाँ व जानकारी प्राप्त करें। पशुओं के खुरों को समय.समय पर साफ करते रहेंए क्योंकि इस मौसम में फफूंद को बढ़ावा मिलता है। पशुओं को समय पर पेट के कीड़ों की दवाई दें व नियमित टीकाकरण करायें। उन्होने सलाह दी है कि अगर किसी भी बीमारी का लक्षण पशुओं में दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करें तथा पशु चिकित्सक की सलाह से उचित उपचार करवाएं।

पूर्व में भी कलेक्टर श्री वैद्य के द्वारा निर्देशित किया जा चुका है कि सभी विकासखण्डों की शासकीय एवं अशासकीय गौशालाओं में संबंधित विभाग के अधिकारी भ्रमण करें तथा उपलब्ध गौवंश का उपचारए साफ सफाईए भूसे चारेए पानी की उपलब्धता का टीकाकरणए टैगिंग का कार्य करेंए साथ ही गौशालाओं अवलोकन करें। गौशाला संचालकों को वर्षा ऋतु में गौवंश को होने वाली बीमारियों के संबंध में अवगत करावेंए साथ ही मृत गौवंश का गरिमामय ढंग से निष्पादन करावें। किसी भी परिस्थिति में खुले में गौवंश के मृत शरीर व कंकाल न पडे हों।

जनसुनवाई कार्यक्रम में अधिकांश आवेदनों का निराकरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन में आयोजित सुनवाई कार्यक्रम में आवेदकों की समस्याओं का निदान त्वरित हो रहा है आज मंगलवार को आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में 131 आवेदको ने अपने आवेदन प्रस्तुत कर व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं की ओर विभागों के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया है।

कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने आवेदकों से संवाद कर उनकी समस्याओं से अवगत होकर निराकृत की गई है। डिप्टी कलेक्टर एवं जनसुनवाई कार्यक्रम के नोडल अधिकारी संतोष बिटौलिया ने बताया कि आज संपन्न हुई जनसुनवाई में 131 आवेदकों के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किए गए थे। मौके पर 65 आवेदनों का निराकरण किया गया है। शेष लंबित आवेदनों पर समय सीमा में कार्रवाई करने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं।

आज जनसुनवाई कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मोहनी शर्मा, सुश्री निकिता तिवारी तहसीलदार डा अमित सिंह समेत विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने पंक्तिबद्ध में बैठक आवेदकों से प्राप्त हुए आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही कर निराकरण कार्यो का संपादन किया गया है।

तहसीलों में ग्रामीणों को ग्रीष्मकालीन मूंग सत्यापन शीघ्र करें

सिरोंज। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि जिन तहसीलों में ग्रीष्मकालीन मूंग का सत्यापन कार्य होना शेष रह गया है वह इस कार्य को शीघ्र पूर्ण कराएं। विदिशा जिले में कुल 1667 कृषकों की ग्रीष्मकालीन मूंग का सत्यापन कार्य होना शेष है उनमें ग्रीष्मकालीन मूंग सत्यापन के लिए सर्वाधिक बासौदा तहसील में 410ए विदिशा में 398ए त्योंदा में 322ए ग्यारसपुर में 223ए शमशाबाद में 154ए विदिशा नगर में 84ए लटेरी में 56 तथा सिरोंज के 20 कृषक शामिल हैं। कलेक्टर श्री वैद्य ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है की ग्रीष्मकालीन मूंग का सत्यापन कार्य शीघ्र अति शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने शेष वंचित रहे कृषकों का ग्रीष्मकालीन मूंग सत्यापन कार्य समयावधि में पूर्ण कर उसकी एक रिपोर्ट जिला कार्यालय को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मेट्रो एंकर

एसडीएम को दिया आवेदन

तालाब को अतिक्रमण से बचाने की मुहिम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मंगलवार को एसडीएम हर्षल की मौजूदगी जनसुनवाई हुई जिसमें में अशोक जैन खर्च ने एसडीएम को आवेदन देते हुए कहा कि नगर के प्राचीन तालाब का सीमांकन करवा कर ही गहरीकरण का कार्य करवाया यह तालाब 32 बीघा जमीन में है पर आज मौके पर 20 बीघा जमीन में भी नहीं होगा अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों तथा आसपास के कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है तालाब की जमीन को इनके चंगुल से करवाया जाए वही कॉलोनी वालों को फायदा देने के लिए नगर पालिका की जगह में से ही रास्ता रास्ता दे दिया गया है । सीमांकन होने पर तालाब गहरीकरण का कार्य होने पर इसका फायदा शहर वासियों को मिलेगा एक समय में मंडी में आने वाले किसानों के जानवरों के लिए तालाब का पानी उपयोग में लिया जाता था पर हर बार तालाब के नाम पर केवल भ्रष्टाचार हुआ है दूसरी ओर तालाब साफ-साफ सुंदर बनाने के लिए के लिए दो करोड़ 66 लाख रुपए की राशि भी शासन से आई थी और व्यापारियों ने भी विकास के लिए राशि दी थी पर उस राशि का भी आता पता नहीं है। उसकी भी जांच कर कर नगर पालिका से हिसाब लिया जाए वही उन्होंने नगर केथन डेम के अतिक्रमण धारियों कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि बैसे तो डेम कागजों में 550 बीघा में है पर मौके पर 300 से अधिक बीघा जमीन में अवैध रूप से खेती होने के कारण इसका उपयोग पानी के लिए नहीं हो पा रहा जितने लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई करके डेम को इसे मुक्त करवाए साथ ही नगर पालिका परिषद के द्वारा तालाब के किनारे की जमीन को नियम विरोध 6 दुकानदारों को बेचने का काम किया है उसकी भी जांच कर कर कार्रवाई करें। जनसुनवाई में सीमांकन बटवारा फोती नामांतरण खाद्यान्न पर्ची आयुष्मान कार्ड आदि के संबंध में भी आवेदन आए ।

नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देश पर नगर पालिका परिषद के द्वारा तालाब के गहरीकरण का कार्य 30 जून तक किया जा सकेगा इसके चलते पिछले कोई दिनों से तालाब में से रॉयल्टी के बगैर मिट्टी आदि निकालने की अनुमति मिलते ही है। एक दर्जन के करीब पोक लोन मशीन सुबह से लेकर देर रात तक चलती रहती है जेसीबी भी चल रही है। सैकड़ो की संख्या में डंपर और ट्रैक्टर ट्रालियां धमक चौकड़ी मचा रहे हैं तालाब के गहरीकरण का सबसे ज्यादा फायदा अवैध रूप कॉलोनी काटने वालों के द्वारा उठाए जा इनके द्वारा अपनी कॉलोनी में तालाब से निकलने वाले मटेरियल को डलवाने का काम किया जा रहा है। साथ ही कई लोगों के द्वारा निर्माण के दौरान मकान के लेवल करने में उपयोग कर रहे है इस वजह से वाहनों की लाइन नहीं टूट रही है। रफ्तार तथा ओवरलोडिंग के कारण इनमें से मिट्टी सड़क पर भी गिरने से हल्की बारिश होने पर कीचड़ ही कीचड़ हो रही है इसके कारण दो पहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार भी हो रहा है।

E-mail. id-mobhopal@gmail.com

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भोपाल

क्रमांक/914/ खनिज/2024 भोपाल दिनांक 14/06/2024

मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम , 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/ पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो प्राप्त करने के लिए)

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री धर्मेन्द्र गौर आत्मज **श्री गौरेलाल गौर पता -56 नीमखेड़ी पोस्ट रूनाहा, तहसील बैरसिया, जिला भोपाल मप्र द्वारा** उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑन लाइन आवेदन पत्र **दिनांक 10/06/2024** को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 17/07/2024 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/ पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन लॉन लाइन आमंत्रित किये जाने हेतु आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov. in पर प्रस्तुत किये जायगे है।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
भोपाल	बैरसिया	धनौरा	2/1/1 (एस)	2.000 हेक्ट.	शासकीय	यांत्रिकी क्रिया गिट्टी बनाने के लिये पत्थर (अर्थात क्रेशर के उपयोग हेतु)	------

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05.30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम द्वितीय विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदन के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

सहा. खनि. अधिकारी
जिला भोपाल म.प्र

G-12345/24

विश्व चैंपियन नूह 100मी फर्राटा में चुनौती देंगे

ओरेगन, एजेंसी

स्टार धावक नूह लायल्स ने यूएस ओलंपिक ट्रॉयल्स में 100 मीटर फर्राटा जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। मौजूदा विश्व चैंपियन नूह टोक्यो ओलंपिक 2020 का टिकट हासिल नहीं कर सके थे क्योंकि वह ट्रॉयल्स में 7वें स्थान पर रहे थे। लेकिन इस बार उन्होंने अपने सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय 9.83 सेकेंड की बराबरी की और शीर्ष पर रहे।

अब ओलंपिक गोल्ड पर नजरें

नूह ने कहा कि वह पिछली बार क्वालीफाई नहीं कर सके थे लेकिन अब उनकी नजरें 100मी ओलंपिक गोल्ड पर हैं। इटली के लेमोंट मार्सेल जैकब्स के पास अभी 100 मीटर का ओलंपिक गोल्ड है, जो उन्होंने 9.80 सेकेंड के समय संग जीता था।

इधर, रिचर्डसन ने 100 मीटर हीट में जीत दर्ज की

24 वर्षीय मौजूदा विश्व 100 मीटर चैंपियन हेवर्ड फील्ड में शुरूआत में लड़खड़ा गई, लेकिन बाद में उन्होंने अपना संयम पुनः प्राप्त किया और 10.88 सेकंड में दौड़ पूरी कर आरामदायक जीत हासिल की, जो इस वर्ष दुनिया में चौथा सबसे तेज समय है। शाकारी रिचर्डसन ने खराब शुरुआत से उबरते हुए ओरेगन के यूजीन में अमेरिकी ओलंपिक ट्रैक ट्रायल में 100 मीटर की शुरुआती हीट में शानदार जीत हासिल की। ट्रायल की अपनी शुरुआती रेस में शानदार प्रदर्शन से संतुष्टि जताते हुए रिचर्डसन ने कहा, निश्चित रूप से यह वह शुरुआत नहीं थी जो मैं चाहती थी। इससे पता चलता है कि मैं तैयार हूं, मुझे बस सब कुछ एक साथ करने की जरूरत है। रिचर्डसन को उम्मीद है कि वह 1996 में गेल डेवर्स के बाद इस साल पेरिस ओलंपिक खेलों में 100 मीटर की ओलंपिक चैंपियन बनने वाली पहली अमेरिकी महिला बनेंगी। टेक्सन की ओलंपिक महिमा की खोज तीन साल बाद हुई जब उसने अमेरिकी ट्रायल जीता था, लेकिन मारिजुआना के उपयोग के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद उसे महामारी से विलंबित टोक्यो खेलों में प्रतिस्पर्धा करने से रोक दिया गया था।

टी-20 वर्ल्ड कप: खत्म हो सकता है ट्रॉफी का इंतजार!

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत ने एक बार फिर आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में जगह बना ली है। टीम 27 जून को इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल खेलेगी। 2013 के बाद से भारत 11वां टूर्नामेंट खेल रहा है और टीम ने 10वीं बार नॉकआउट राउंड में जगह बनाई, लेकिन लगातार ग्रुप स्टेज पार करने के बावजूद भारत के हाथ 2014 से एक भी ट्रॉफी नहीं लग सकी है। भारत ने 2007 में पहला ही टी-20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया, टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 5 रन से हराकर ट्रॉफी जीती। इसके बाद टीम ने 7 और टी-20 वर्ल्ड कप खेले। 3 बार टीम नॉकआउट स्टेज यानी सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंची, लेकिन खिताब चूक गई। 2014 में भारत ने साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल में हराया था।

2013 के बाद टीम इंडिया 10 टूर्नामेंट खेली; 5 फाइनल, 4 सेमीफाइनल हारी

वनडे वर्ल्ड कप में 2011 के बाद सफलता को तरसे

भारत ने वनडे वर्ल्ड कप का आखिरी खिताब 2011 में जीता। इसके 28 साल पहले 1983 में टीम को इस फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में पहली कामयाबी मिली थी। तब टीम ने वेस्टइंडीज और 2011 में श्रीलंका को हराकर ट्रॉफी जीती। इसके बाद से भारत 3 और वनडे वर्ल्ड कप खेले, हर बार टीम नॉकआउट स्टेज में पहुंची, लेकिन खिताब एक में भी नहीं मिल सका। 2015 में भारत ने क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश को हराया, लेकिन सेमीफाइनल में होम टीम ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ गया। 2019 में न्यूजीलैंड ने भारत को सेमीफाइनल हरा दिया। 2023 में फिर भारत ने हिसाब बराबर किया और सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को ही हरा दिया, लेकिन टीम फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से जीत नहीं सकी।

यूरो कप फुटबॉल: स्विट्जरलैंड से मैच ड्रॉ खेला इंजुरी टाइम में निकल्स के गोल से जर्मनी ने हार टाली

फ्रेंकफर्ट, एजेंसी

मेजबान जर्मनी ने निकल्स फ्रूज के इंजुरी टाइम में किए गए शानदार गोल से यहां खेले जा रहे यूरो कप फुटबॉल 2024 के आखिरी ग्रुप-ए मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ हार टाली और 1-1 से ड्रॉ खेला। स्विस टीम ने डेन डोए के 28वें मिनट में दागे गए गोल से 1-0 की बढ़त बना ली थी। लेकिन निर्धारित समय के बाद मिले इंजुरी टाइम में निकल्स फुलक्रग ने गोल करके जर्मन टीम को हार से बचा लिया। जर्मनी की टीम तीन मैचों में दो जीत के साथ ग्रुप-1 में शीर्ष पर रही। वहीं, स्विस टीम ने तीन मैचों में एक जीता और दो ड्रॉ खेले हैं। हालांकि दोनों ही टीमें अंतिम-16 में पहुंच गई हैं।

बायजूस: इन्वेस्टमेंट फर्म ने माना 4,115 करोड़ का निवेश डूब गया

कंपनी के भविष्य पर संशय, प्रोसस की हिस्सेदारी जीरो

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

इन्वेस्टमेंट फर्म प्रोसस ने वित्तीय संकट से जूझ रही एडटेक कंपनी बायजूस में अपने निवेश को राइटऑफ कर लिया है। यानी निवेशक ने मान लिया है कि बायजूस में उसका 493 मिलियन डॉलर (करीब 4,115 करोड़ रुपए) का निवेश डूब गया। एडटेक कंपनी में उसकी 9.6 फीसदी हिस्सेदारी थी। इन्वेस्टर ने अपनी एनुअल रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी है। प्रोसस के प्रवक्ता ने बताया कि उसके पास बायजूस की वित्तीय स्थिति, देनदारियों और भविष्य के दृष्टिकोण के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। इससे पहले 21 मई को फाइनेंशियल फर्म ने बायजूस के भविष्य पर गंभीर डाउट की बात बताकर उसकी वैल्यूएशन जीरो कर दी थी। इन्वेस्टमेंट फर्म ने निवेशकों को दिए प्रजेंटेशन में बताया कि बायजूस में निवेश से उसका इंटरनल रेट ऑफ रिटर्न माइनस 100 फीसदी था। किसी इन्वेस्टमेंट के प्रॉफिटेबिलिटी का मेजरमेंट है। निगेटिव या माइनस का मतलब है कि पूरे निवेश के दौरान अनुमानित आउटगोइंग कैश फ्लो अनुमानित इनकमिंग कैश फ्लो से कम है। यानी निवेशक ने जो पैसा लगाया, उससे कम पैसा वापस मिला। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024 के अंत में उसने बायजूस के वैल्यूएशन को भी जीरो कर दिया है। इससे पहले फर्स्ट हाफ यानी पहली छमाही में

प्रोसस ने कंपनी की वैल्यूएशन को घटाकर 3 बिलियन डॉलर से भी कम कर दिया था। यह उसके पिछले वैल्यूएशन से 86 फीसदी कम था। अक्टूबर 2022 में बायजूस का ऑफिशियल वैल्यूएशन 22 बिलियन डॉलर से ज्यादा थी।

जीएसटी के बाद सस्ती हुई घरेलू उपयोग की वस्तुएं!

नईदिल्ली, एजेंसी

देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून के लागू हुए करीब सात साल हो गए हैं। इसे एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था, जिसमें 17 स्थानीय करों और शुल्कों को शामिल किया था। जीएसटी के आने के बाद पिछले करीब सात साल में कई ऐसे उत्पादों और सेवाओं पर से कर हटाया गया है, जिनका इस्तेमाल गरीब और आम लोग करते हैं। इससे न सिर्फ घरेलू उपयोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं बल्कि आम लोगों पर कर का बोझ घटा है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के आंकड़ों के मुताबिक, छाछ-दही (पैकेट वाले नहीं), आटा, कॉस्मेटिक, टेलीविजन, मोबाइल फोन और रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं जीएसटी लागू होने के तत्काल बाद सस्ती हो गईं। इससे परिवारों की आमदनी पर दबाव कम हुआ और बचत में इजाफा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हमारे लिए ये सुधार 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने के साधन हैं। जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू उपयोग की वस्तुएं काफी सस्ती हो गई हैं। इससे गरीब और आम आदमी को काफी बचत हुई है। हम लोगों के जीवन को बदलने के लिए सुधारों की इस यात्रा को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ओलंपिक की महिला स्पर्धा में अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी उतरेंगी

पेरिस ओलंपिक: भारतीय तीरंदाज सभी पांच पदक स्पर्धाओं में भाग लेगा

नईदिल्ली, एजेंसी

इस साल 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में छह भारतीय तीरंदाज चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगे। दरअसल, अपडेट की गई विश्व रैंकिंग के आधार पर भारत की पुरुष और महिला टीमों ने तीरंदाजी में पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया है। भारत ने गैर-योग्य देशों के बीच पुरुष और महिला दोनों रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। नई टीम कोटा के साथ भारत पेरिस में तीरंदाजी में सभी पांच पदक श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेगा। इसमें भारत पुरुष और महिला टीम स्पर्धा, व्यक्तिगत और मिश्रित स्पर्धाएं शामिल हैं। गौरतलब है कि भारत ने ओलंपिक इतिहास में कभी तीरंदाजी में पदक नहीं जीता है, ऐसे में उन तीरंदाजों पर दबाव होगा।

पूर्व ओलंपियनों को मेडिकल सुविधा व पेंशन देने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आइओए) पूर्व ओलंपिक एथलीटों को स्वास्थ्य बीमा पेंशन देने की योजना पर विचार कर रहा है। इस बारे में आइओए एथलीट और पूर्व दिग्गज धाविका पीटी ऊषा ने कहा कि उन्होंने आइओए की कार्यकारी समिति को ये सिफारिशें प्रस्तावित की हैं, जो जल्द ही इस पहल पर विचार-विमर्श करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि आइओए की कोशिश है कि इस योजना पर आने वाले ज्यादातर खर्चे को वह खुद ही स्वतंत्र रूप से वहन करें। पीटी ऊषा ने कहा, हमने सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए कार्यकारी समिति को प्रस्ताव सौंप दिया है। यह पूर्व एथलीटों का समर्थन करने के लिए आइओए की ओर से एक छोटा सा कदम है। हमें अपने सभी पूर्व ओलंपियनों को याद रखना चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

एक्टर्स की फीस पर बोले अनिल कपूर मैंने बिना पैसे लिए फिल्में की हैं...

पिछले कुछ दिनों से बॉलीवुड में एक्टर्स की बढ़ती फीस और बजट का मुद्दा गरमाया हुआ है। एक्टर्स की फीस पर करण जौहर और अनुराग कश्यप चिंता जाहिर कर चुके हैं। अब अनिल कपूर ने भी फिल्म के बजट, एक्टर्स की फीस और गैरजरूरी डिमांड्स को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि एक्टर्स के ज्यादा फीस की वजह से फिल्म के बजट पर काफी असर पड़ता है। ऐसा कई बार हुआ कि मैंने प्रोड्यूसर्स को सपोर्ट करने के लिए फीस नहीं ली। बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 को होस्ट कर रहे अनिल कपूर ने एक इंटरव्यू में कहा- एक्टर्स के ज्यादा फीस की वजह से फिल्म के बजट पर काफी असर पड़ता है। एक प्रोड्यूसर अधिक से अधिक फिल्में बना सके, इसके लिए एक्टर्स को अपनी फीस और गैरजरूरी डिमांड्स के बारे में सोचना चाहिए।

अनिल कपूर ने कहा- मैंने बिना पैसे लिए भी फिल्में की हैं। ऐसा कई बार हुआ कि मैंने प्रोड्यूसर्स को सपोर्ट करने के लिए फीस नहीं ली। आज सभी एक्टर्स और तकनीशियनों को अपनी फीस के बारे में सोचना चाहिए। फिल्म जितने कम बजट में बनेगी, प्रोड्यूसर्स उतनी ही अधिक फिल्में बना सकते हैं। अनिल प्रोड्यूसर के तौर पर बधाई हो बधाई, गांधी माई फादर, आयशा, वीरे दी वेडिंग और खूबसूरत समेत कई फिल्में प्रोड्यूस कर चुके हैं। इन फिल्मों के निर्माण के दौरान वो आर्थिक तंगी का भी समाना कर चुके हैं। अनिल कपूर ने कहा- ज्यादा फीस के कारण बजट पर काफी असर पड़ता है। प्रोड्यूसर के रूप में इस स्थिति का सामना कर चुका हूं। बजट बढ़ जाने की वजह से अच्छी फिल्में बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

हाल ही में करण जौहर और अनुराग कश्यप ने एक्टर्स की बढ़ती फीस का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि किसी भी बजट की फिल्म बनाना चुनौतीपूर्ण है। हर कलाकार को इस बात की समीक्षा करनी चाहिए कि ने कितनी फीस मांग रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस शबाना आजमी ने स्टार्स की फीस और शूटिंग में बढ़ते खर्च पर आश्चर्य जताया है।

'मिस्टर इंडिया' का किस्सा: चाइल्ड आर्टिस्ट्स से डांस सीखने के बदले श्रीदेवी ने दी थी आइसक्रीम

'मिस्टर इंडिया' दिवंगत श्रीदेवी की आईकॉनिक फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में कोरियोग्राफर और डायरेक्टर अहमद खान ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम किया था। हालिया इंटरव्यू में अहमद खान ने खुलासा किया कि शूटिंग के वक्त श्रीदेवी ने फिल्म में काम करने वाले बच्चों को आइसक्रीम का लालच दिया था और बदले में उनसे ब्रेक डांस सीखा था। बता दें, 1987 की इस फिल्म में श्रीदेवी और अनिल कपूर की जोड़ी को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। फिल्म में अमरीश पुरी और सतीश कौशिक जैसे कलाकार भी थे। फिल्म के गाने हवा हवाई में श्रीदेवी के डांस स्टेप को लोग आज भी बहुत पसंद करते हैं।

अहमद बोले- डांस सिखाने के बाद श्रीदेवी से दोस्ती हो गई थी

अहमद ने इंटरव्यू में फिल्म मिस्टर इंडिया में श्रीदेवी के साथ काम करने के एक्सपीरियंस को शेयर किया। उन्होंने कहा कि वो और बाकी बच्चे एक दिन किसी सीरियस सीन की शूटिंग कर रहे थे। तभी श्रीदेवी आईं और उन्होंने सभी बच्चों को आइसक्रीम का ऑफर दिया लेकिन एक शर्त पर। अहमद खान ने आगे कहा, ' वो(श्रीदेवी) हमें एक कमरे में ले गईं और हमें आइसक्रीम दी। फिर उन्होंने कहा- मैं तुम लोगों को यह इसलिए नहीं दे रही हूं क्योंकि तुम लोग को पसंद करती हूं। बल्कि इसलिए दे रही हूं क्योंकि मुझे तुम लोगों से ब्रेक डांस सीखना है। फिर हमने उन्हें कुछ डांस स्टेप सिखाए और इस तरह हमारी दोस्ती हो गई। अहमद खान ने श्रीदेवी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा- वो रिजर्व रहती थीं, लोगों से ज्यादा बात नहीं करती थीं। लेकिन जैसे एक बार कैमरा चालू होता था, वो अपने रोल में परफेक्ट तरीके से ढल जाती थीं। वो बिल्कुल माइकल जैक्सन की तरह थीं, जो रियल लाइफ में बिल्कुल शांत रहते थे और स्टेज पर बवाल मचा देते थे। वो (श्रीदेवी) सच में महान थीं। शुरुआत में उनके साथ हमारी दोस्ती नहीं थी, लेकिन बाद में हो गई थी। अहमद खान के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वो फिलहाल फिल्म वेलकम 3 की तैयारियों में बिजी हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन उन्होंने ही किया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, सुनील शेट्टी, जॉनी लीवर जैसे कलाकार हैं। फिल्म अगले साल रिलीज होगी। इससे पहले अहमद ने बागी 2, बागी 3 और हीरोपंती 2 जैसी फिल्मों का डायरेक्शन किया था।

जूनियर एनटीआर के डांस से प्रभावित हैं जान्हवी कपूर

एनटीआर की बहुप्रतीक्षित फिल्म देवरा में उनके साथ हिंदी फिल्म अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली हैं। हाल में ही विदेश में फिल्म के एक गाने की शूटिंग कर अभिनेता वापस आए हैं। देवरा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की ये फिल्म लगातार सुर्खियों में है। इस फिल्म में पहली बार ये जोड़ी पर्दे पर नजर आने वाली है, जिसको लेकर दोनों कलाकारों के फैंस काफी उत्साहित हैं। हाल में एनटीआर विदेश यात्रा से वापस आए हैं, वह जान्हवी कपूर के साथ एक गाने की शूटिंग कर रहे थे। फिल्म निर्माता भली-भांति जानते हैं कि दोनों कलाकार के फैंस इस जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित है। इसलिए फिल्म में दोनों पर एक रोमांटिक गाना भी फिल्माया जा रहा है, जो इनके फैंस के लिए एक शानदार अनुभव होने वाला है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी एनटीआर की डांसिंग से काफी प्रभावित हुई हैं। अभिनेता ने गाने के डांस स्टेप्स एक बार में ही सीख लिए, जबकि अभिनेत्री को इसके लिए थोड़ा संघर्ष करना पड़ा।

स्टेप्स तैयार करके आती थीं, ताकि समय बर्बाद ना हो

फिल्म के एक गाने को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी खुद एक प्रशिक्षित डांसर हैं, लेकिन फिर भी उन्हें इस गाने के दौरान थोड़ी मुश्किलें हुईं। वहीं, एनटीआर ने उन्हें अपनी डांसिग स्किल्स से काफी हैरान किया। इसके अलावा रिपोर्ट्स में कहा गया कि सेट पर जान्हवी काफी अच्छे से तैयार हो कर आती थीं, ताकि वो स्टेप्स सही से कर सकें। इससे सेट पर किसी का समय बर्बाद नहीं होता था। बताते चलें कि देवरा का निर्देशन कोर्टला शिवा कर रहे हैं। यह 'जनता गराज' के बाद उनकी दूसरी फिल्म है। जनता गराज में भी एनटीआर ने काम किया था।

बहन से बात न करने की दी थी हिदायत, नहीं मानने पर कर दी हत्या

शराब पिलाने के बाद युवक की चाकू गोदकर हत्या, दो हत्यारे गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र एकतापुरी मैदान पर चार युवकों ने मिलकर एक युवक को शराब पिलाई और चाकू और पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि मृतक एक आरोपी की बहन से बातचीत करता था। आरोपी उसे बार बार मना कर चुका था, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं था। थाना प्रभारी विजय भामरे ने बताया कि अरविंद विश्वकर्मा (25) मूलतः सोहागपुरा का रहने वाला था. फिलहाल वह बजरिया इलाके में किराए से रहता था और मिस्त्री का काम करता था। कुछ समय पहले अरविंद की पहचान मोहल्ले में रहने वाली एक युवती से हो गई। युवती से वह मोबाइल पर बातचीत करता था। युवती के परिजन को इसका पता चला तो उन्होंने अरविंद को समझाया था कि वह बेटी से बात न करें। कुछ दिन तक उसने बात बंद रखी फिर दोबारा से युवती से बातचीत करनी शूरू कर दी। युवती के भाई ने यह बात अपने दोस्तों को बताई तो उन्होंने सुझाव दिया कि उसे शराब पार्टी के लिए बुलाकर ठीक से समझा दिया जाएगा।

शराब पिलाने के बाद किया चाकू से हमला

सोमवार रात चार युवकों ने अरविंद को शराब पाटी के लिए एकतापुरी ग्राउंड पर बुलाया था। यहां अरविंद के साथ चारों युवकों ने जमकर शराब पी। उसके बाद पुरानी बात को लेकर सभी उसे समझाइश देने लगे। नशे की हालत में अरविंद ने जब उनकी बात मानने से इंकार किया तो आरोपियों ने उसकी गर्दन, गले और पीठ पर चाकू से हमला कर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने उस पर पत्थर से भी हमला किया था।

मोहल्ले के लोगों ने दी थी सूचना

मोहल्ले वालों ने दी डायल 100 को सूचना आसपास रहने वालों ने मैदान में झगड़ा होता देख डायल 100 को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो अरविंद गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा हुआ था, जबकि हमला करने वाले आरोपी मौके से भाग निकले थे। घायल को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कुछ समय चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उक्त मामले में अमित खटीक और वंश ठाकुर को गिरफ्तार किया है, जबकि उनके दो अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

भोपाल से लापता नाबालिग राजस्थान से हुई बरामद

युवक पर अपहरण और दुष्कर्म का मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भोपाल के कोलार इलाके से लापता हुई एक नाबालिग को पुलिस ने राजस्थान के कोटा से बरामद कर लिया है। इस दौरान एक युवक को भी गिरफ्तार किया गया है। नाबालिग के बयानों के बाद युवक के खिलाफ अपहरण, बलात्कार और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक पिछले महीने 19 मई को इलाके में रहने वाली एक नाबालिग घर से बगैर बताए लापता हो गई थी। परिजनों ने उसके अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए नाबालिग की तलाश में पुलिस की एक विशेष टीम लगाई गई थी। पिछले दिनों सूचना मिली कि लापता नाबालिग राजस्थान के कोटा में रह रही है। इस सूचना के बाद पुलिस की एक टीम कोटा रवाना की गई। टीम ने ग्राम अकोदिया जिला कोटा राजस्थान से नाबालिग को दिलीप कुमार प्रजापति के घर से दस्तयाब कर लिया. नाबालिग और दिलीप कुमार को लेकर पुलिस टीम कोलार थाने लौटी. यहां किशोरी के बयान के बाद पुलिस ने आरोपी दिलीप कुमार के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया उसे गिरफ्तार कर लिया. पड़ोसी के यहां आने पर हुई थी पहचान पुलिस ने बताया कि दिलीप कुमार कुछ समय पहले कोलार में रहने वाले अपने रिश्तेदार के घर आया था, तभी उसकी पहचान किशोरी से हुई थी. उसके बाद दोनों फोन पर बातचीत करने लगे थे. इस दौरान दिलीप ने किशोरी को शादी करने का झांसा देते हुए उसे कोटा बुलाया. नाबालिग कोटा पहुंची तो दिलीप ने किराए के मकान में रखकर उसके साथ दुष्कर्म करने लगा था।

हनुमानगंज से लापता किशोरी ऐशबाग में मिली

हनुमानगंज इलाके से लापता हुई एक नाबालिग को पुलिस ने चंद घंटों के भीतर ऐशबाग इलाके से सकुशल बरामद कर लिया। उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी सोमवार सुबह करीब 9 बजे घर से बगैर बताए कहीं चली गई। आसपास तलाश करने पर भी जब उसका कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने दोपहर में थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। लड़की के फोटो और हुलिए के आधार पर पुलिस ने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन समेत अन्य स्थानों पर तलाश शुरू की। साथ ही इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों को फुटेज खंगाले। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद नाबालिग को ऐशबाग स्थित पुल बोगदा के पास से सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

बैरागढ़ से लापता किशोरी सकुशल बरामद

भोपाल। बैरागढ़ से लापता हुई एक किशोरी को पुलिस ने अरेरा हिल्स स्थित ठंडी सड़क के पास सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी घर से बगैर बताए लापता हो गई थी। तलाश करने के बाद भी जब उसका कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने थाने जाकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए किशोरी की तलाश में एक टीम लगाई गई थी। इसी बीच सूचना मिलने पर पुलिस ठंडी सड़क स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुंची तो नाबालिग सकुशल मिल गई। न्यायालय में कथन कराने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

मकान मालिक ने 11 साल की बच्ची से की अश्लील हरकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर पुलिस ने एक बालिका की रिपोर्ट पर मकान मालिक के खिलाफ छेड़छाड़ और पोक्सो एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। आरोप है कि बच्ची के खेलते समय आरोपी ने उसका हाथ पकड़ लिया और खींचकर ले जा रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 11 साल की बच्ची पांचवीं कक्षा में पड़ती है। बीती 22 जून की रात को वह मोहल्ले के बच्चों के साथ लुका-छिपी खेल रही थी, तभी बिजली गुल हो गई। बच्ची का आरोप है कि इसी बीच मकान मालिक पहुंचा और उन्होंने उसका हाथ पकड़ लिया और बाथरूम की तरफ खींचकर ले जाने लगा। इस पर बच्ची ने हाथ छुड़ाया और घर जाकर मां को घटना की जानकारी दी। उस समय बच्ची के पिता घर पर नहीं थे। सोमवार रात पिता घर लौटे तो उसे लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कार पलटने से एक युवक की मौत, तीन अन्य गंभीर घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित श्मशाबाद जोड़ आईटीआई के पास बीती रात तेज रफ्तार कार पलट गई। इस हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके तीन साथियों को गंभीर चोट आई है। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दी थी। पुलिस आज पीएम के बाद लाश परिजन को सौंपेगी। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार रवि मीणा पिता घनश्याम मीणा (30) गांव मनखेड़ा, थाना अहमदपुर में रहता था और खेती किसानी करता था। मंगलवार रात वह अपने साथी कृष्णकुमार समेत तीन अन्य लोगों के साथ कार से अपने गांव लौट रहा था। श्मशाबाद जोड़ के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। पुलिस का कहना है कि कार को किसी वाहन ने टक्कर मारी या फिर वह कार सड़क पर किसी मवेशी के बचाने में पलटी इसकी जांच की जा रही है।

अंतर वाहिनी क्रीड़ा स्पर्धा शुरू, 9 वाहिनियों के 391 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

__भोपाल, दोपहर मेट्रो।__ भोपाल के लाल परेड मैदान स्थित मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में विशेष सशस्त्र बल (विसबल) दक्षिणी क्षेत्र अन्तर वाहिनी क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 7वीं वाहिनी विसबल द्वारा 25 से 28 जून तक आयोजित की जा रही इन प्रतियोगिताओं में अलग-अलग वाहिनियों के 391 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। 25 जून को कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक (विसबल) भोपाल रेंज अभय सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए. भोपाल की 7वीं वाहिनी के कमांडेंट हितेश चौधरी ने सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई। शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं खेल पुलिस महानिरीक्षक (विसबल) भोपाल रेंज अभय सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य में सुधार एवं प्रतियोगिता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इन प्रतियोगिताओं से खिलाड़ी शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं। उन्होंने कहा कि अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का मौका बहुत कम लोगों को मिलता है। उन्होंने खिलाडियों से कहा कि आप सभी इस कार्यक्रम और प्रतियोगिता को नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे और नए कीर्तिमान रचेंगे, इसका मुझे पूर्ण विश्वास है। वाहिनियां प्रतियोगिताओं में होंगी शामिल इन प्रतियोगिताओं में विसबल दक्षिणी जोन में सम्मिलित विसबल की 9 इकाइयों 6वीं वाहिनी जबलपुर, 7वीं वाहिनी भोपाल, 8वीं वाहिनी छिन्दवाड़ा, 9वीं वाहिनी रीवा, 10वीं वाहिनी सागर, 23वीं वाहिनी भोपाल, 25वीं वाहिनी भोपाल, 35वीं वाहिनी मण्डला, 36वीं वाहिनी बालाघाट से आए खिलाड़ी, उनके कोच एवं टीम मैनेजर शामिल होंगे। 24 स्पधाएँ होंगी आयोजित इस प्रतियोगिता में अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्टस कन्ट्रोल बोर्ड नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त कुल 27 अलग-अलग खेलों जिनमें हॉकी, फुटबॉल, वालीबॉल, बास्केटबॉल, हैण्डबॉल, कबड्डी, एथेलेटिक्स, कुश्ती, जूड़ो, वेट लिफ्टिंग आदि की स्पधाएँ संपन्न कराई जाएंगी.

किसान ने खेत की मेड़ पर लगे पेड़ से लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित ढिगरिया बरामद गांव में एक किसान ने खेत की मेड़ पर लगे पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआड़था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार भारत सिंह गुर्जर पिता देवीलाल गुर्जर (28) ग्राम ढिगरिया, कस्बा नजीराबाद में रहताड़था और खेती किसानी करताड़था। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। परिजन इलाज के अलावा उसकी झाड़फूंक भी करा रहे थे, लेकिन उसका दिमागी संतुलन ठीक नहीं हो रहा था। सोमवार शाम भारत सिंह बिना बताए घर से निकल गया था। परिजन उसकी तलाश करते हुए अपने करार वाले खेत पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने भारत सिंह की लाश फांसी के फंदे पर लटकी देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी थी।

मेट्रो एंकर — **कटारा हिल्स स्थित नए बायपास पर स्प्रिंगवैली गेट के पास हुआ हादसा**

बाइक आपस में टकराई, एक युवक की मौत, दूसरा बाइक सवार युवक गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित स्प्रिंगवैली गेट के पास मंगलवार रात दो बाइक आपस में टकरा गई। हादसे के बाद बाइक सवार घायलों को एंबुलेंस एम्स लेकर पहुंची थी। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही एक ही युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे को गंभीर चोट होने के कारण उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार अजय सिंह पिता गंगा चरण (32) मकान नंबर 680, अमराई, बागसेवनिया में रहता था और मिस्त्री का काम करता था। मंगलवार रात वह अपनी मोटरसाइकिल से स्वामी विवेकानंद परिसर होते हुए अमराई जा रहा था। जबकि अमताश चौराहा की तरफ से आकाश वर्मा आर-15 बाइक से आ रहा था। आकाश वर्मा की स्पोर्ट्स बाइक रफ्तार में थी, जबकि अजय सिंह भी रफ्तार में था। स्प्रिंगवैली कॉलोनी गेट से थोड़े आगे अजय और आकाश की बाइक में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद आकाश और अजय को एंबुलेंस एम्स लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने अजय को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय अजय अपने घर जा रहा था। इसी प्रकार आकाश भी अपने घर लौट रहा था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022